RNI-UPHIN/2009/30721

बुधवार 29 अक्टूबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06:31 बजे
सूर्यास्त सांय 17:38 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 भाजपा, कांग्रेस, राजद छोटे सहयोगियों को ज़्यादा सीटें देने को मजबूर

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 17 | अंक : 012 | गाजियाबाद, बुधवार 29 अक्टूबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

राष्ट्रपति मुर्मु कल राफेल लड़ाकू विमान में अंबाला से भरेंगी उडान

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु बुधवार को भारतीय वायु सेना के अत्याधुनिक लड़ाकू विमान राफेल में उडान भरेंगी। राष्ट्रपति इससे पहले वायु सेना के सुखोई 30 एमकेआई लड़ाकू विमान में भी उडान भर चुकी हैं। राष्ट्रपति सचिवालय ने मंगलवार को बताया कि श्रीमती मुर्मु बुधवार को हरियाणा जायेंगी और वहां अंबाला वायु सेना स्टेशन से राफेल लड़ाकू विमान में उडान भरेंगी। श्रीमती मुर्मु ने दो वर्ष पहले 8 अप्रैल 2023 को वायु सेना के तेजपुर हवाई बेस से सुखोई 30 एमकेआई लड़ाकू विमान में उडान भरी थी। राफेल भारतीय वायु सेना का प्रमुख लड़ाकू विमान है और इसने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विभिन्न अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। राष्ट्रपति के सुबह अंबाला वायु सेना स्टेशन पहुंचने पर उन्हें सम्मान स्वरूप 'गार्ड आफ ऑनर' दिया जायेगा। राष्ट्रपति को राफेल विमान के बारे में भी जानकारी दी जायेगी। इसके बाद वह विमान में उडान भरेंगी।

गलत तरीके से गिरफ्तारी और कैद के लिए मुआवजे संबंधी याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट बलात्कार और हत्या के एक मामले में शीर्ष अदालत द्वारा बरी किए जाने से पहले, 12 साल तक जेल में रहे एक व्यक्ति की उस याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया जिसमें उसकी ''गलत तरीके से गिरफ्तारी, अभियोजन और दोषसिद्धि'' के लिए मुआवजा दिए जाने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने सोमवार को कहा, ''नोटिस जारी करें जिसका जवाब 24 नवंबर को दिया जाए। हम अटॉर्नी जनरल या सॉलिसिटर जनरल से अनुरोध करेंगे कि वे इस मामले में अदालत की सहायता करें।'' पीठ इसी तरह के मुद्दे को उठाने वाली तीन अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

प्रियंका का दो दिवसीय वायनाड दौरा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा बुधवार से अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगी। पार्टी सूत्रों ने बताया कि वह 29 और 30 अक्टूबर को वायनाड दौरे पर रहेंगी और इसके बाद बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचार करने जाएंगी। वह वायनाड में राजीव गांधी मेमोरियल सरकारी आयुर्वेद औषधालय के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन करेंगी। इसके अलावा मोबाइल डिस्पेंसरी के लिये एंबुलेंस को हरी झंडी दिखायेंगी और कोडेनचेरी ग्राम पंचायत की विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन समारोह में भी हिस्सा लेंगी। वह सुल्तान बाथरी में महात्मा गांधी जी की प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम में शामिल होने के अलावा कुछ अन्य कार्यक्रमों में भी शिरकत करेंगी।

कैबिनेट ने 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के टर्म ऑफ रेफरेंस को दी मंजूरी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। पीएम मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के टर्म ऑफ रेफरेंस को मंजूरी दी। आधिकारिक बयान के अनुसार, आठवां केंद्रीय वेतन आयोग एक अस्थायी निकाय होगा। इसके अलावा, आयोग में एक अध्यक्ष, एक सदस्य (पार्ट-टाइम) और एक सदस्य-सचिव शामिल होंगे।

सौर ऊर्जा केवल बिजली उत्पादन ही नहीं बल्कि

सशक्तिकरण और समावेशी विकास का माध्यम: मुर्मु

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सौर ऊर्जा को केवल बिजली उत्पादन ही नहीं बल्कि सशक्तिकरण और समावेशी विकास का माध्यम बताते हुए कहा है कि इसका बड़े पैमाने पर इश्तेमाल करते हुए पारिस्थितिक संतुलन पर ध्यान दिये जाने की भी जरूरत है।

श्रीमती मुर्मु ने मंगलवार को यहां अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन सभा (आईएसए) के आठवें सत्र के उद्घाटन सत्र का उद्घाटन करते हुए कहा कि आईएसए मानवता की साझा आकांक्षा – समावेशिता, सम्मान और सामूहिक समृद्धि के स्रोत के रूप में सौर ऊर्जा का उपयोग करने का प्रतीक है।

राष्ट्रपति ने जलवायु परिवर्तन के खतरे से निपटने के लिए तत्काल और ठोस कदम उठाए जाने की आवश्यकता बताई और कहा कि भारत इस संकट से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है तथा इस दिशा में ठोस कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि आईएसए सौर ऊर्जा को अपनाने और इसके इश्तेमाल को प्रोत्साहित करके इस वैश्विक चुनौती से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्रीमती मुर्मु ने समावेशिता की भारत की अवधारणा का उल्लेख करते हुए कहा कि सुदूर क्षेत्रों में घरों को रोशन कर सरकार ने सामाजिक समानता के अनुरूप कार्य किया है। उन्होंने कहा कि सश्ती और स्वच्छ ऊर्जा तक पहुंच समुदायों को सशक्त बनाती है, स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देती है, और ऐसे अवसरों के द्वार खोलती है जिनका प्रभाव बिजली की आपूर्ति से कहीं आगे तक है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा केवल बिजली उत्पादन ही नहीं, बल्कि सशक्तिकरण और समावेशी विकास का भी प्रतीक है।

राष्ट्रपति ने सभी सदस्य देशों से बुनियादी ढांचे से आगे बढ़कर लोगों के जीवन पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया और कहा कि इस सभा को सामूहिक कार्य योजना विकसित करनी चाहिए जो सौर ऊर्जा को रोज़गार सृजन, महिला नेतृत्व, ग्रामीण आजीविका और डिजिटल समावेशन से जोड़े। उन्होंने कहा, हमारी प्रगति केवल मेगावाट से नहीं, बल्कि जीवन में रोशनी, मज़बूत परिवारों और समुदायों के जीवन में बदलाव से मापी जानी चाहिए। प्रौद्योगिकी विकास और नवीनतम एवं उन्नत तकनीकों को सभी के साथ साझा करने पर भी ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए ताकि अधिकतम लाभ प्राप्त हो सके।" उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि हमें बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा संयंत्रों का विशतार करते समय यह सुनिश्चित करना चाहिए कि क्षेत्र का पारिस्थितिक संतुलन बना रहे क्योंकि पर्यावरण संरक्षण ही हरित ऊर्जा की ओर रुख़ का मूल कारण है।

समुद्री सुरक्षा को अब खतरे को रोकने के संकीर्ण नजरिये से नहीं देखा जा सकता : नौसेना प्रमुख

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने कहा कि जटिल और एक-दूसरे से आपस में जुड़ी हुईं चुनौतियों के इस मुश्किल दौर में, समुद्री सुरक्षा को अब केवल खतरों को रोकने के संकीर्ण नजरिये से नहीं देखा जा सकता।

नौसेना प्रमुख ने यहां 'इंडो-पैसिफिक रीजनल डायलॉग' 2025 में अपने संबोधन में कहा कि इसे प्रोफेसर रीकमैन के 'डायनैक्सिक चैलेंज' के तौर पर समझने की जरूरत है, जो एक ऐसी चुनौती है जो गतिशील और जटिल दोनों है। नौसेना 28 से 30 अक्टूबर तक मानेकशॉ सेंटर में तीन दिन के सम्मेलन का आयोजन कर रही है, जिसमें कई देशों के नौसेना अधिकारी और विशेषज्ञ हिस्सा ले रहे हैं। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, ''सदियों से, समुद्र सबसे पुराने राश्ते रहे हैं — जो सिर्फ वाणिज्य और संस्कृति ही नहीं, बल्कि जिज्ञासा और हिम्मत भी (एक जगह से दूसरी जगह) ले जाते हैं।'' उन्होंने कहा कि देशों की किस्मत तय करने से लेकर मानवता का भविष्य लिखने तक, समुद्र हमेशा से ''हमारी साझा किस्मत'' का सबसे सच्चा पैमाना रहा है। नौसेना प्रमुख ने कहा कि जटिल और एक-दूसरे से आपस में जुड़ी हुईं चुनौतियों के इस मुश्किल दौर में, समुद्री सुरक्षा को अब सिर्फ खतरे

'मोदी-नीतीश सरकार' ने युवाओं की आकांक्षाओं का गला घोंटा, बिहार को गर्त में धकेला: राहुल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बिहार में शिक्षा, रोजगार और मानव विकास की स्थिति का उल्लेख करते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि ''मोदी-नीतीश सरकार'' ने युवाओं की आकांक्षाओं का गला घोंट दिया है तथा प्रदेश को हर पैमाने पर गर्त में धकेल दिया है। उन्होंने दिल्ली में पढ़ाई कर रहे बिहार के कुछ युवाओं के साथ संवाद का एक वीडियो सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किया।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कुछ दिनों पहले बिहार के युवाओं से बहुत दिलचस्प बातचीत हुई, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार हर मुद्दे पर। इन सबकी दुर्दशा के लिए सिर्फ एक गुनहगार है, भाजपा-जद(यू) सरकार।'' उन्होंने दावा किया, ''बिहार के युवा बखूबी जानते हैं कि पिछले 20 वर्षों में किस तरह मोदी-नीतीश सरकार ने उनकी आकांक्षाओं का गला घोंटा है, प्रदेश को लावारिस छोड़ दिया है और हर पैमाने पर गर्त में धकेल दिया है।''

राहुल गांधी ने बिहार में शिक्षा की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा, ''कक्षा 9-10 में 'ड्रॉपआउट' के मामले में बिहार का 29 राज्यों में 27वां स्थान है। कक्षा 11–12 में प्रवेश की दर के मामले में 28वां स्थान है तथा महिला साक्षरता के मामले में 28वां स्थान है।'' कांग्रेस नेता ने रोजगार की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि सेवा क्षेत्र में रोजगार को लेकर बिहार का 29 राज्यों में 21वां स्थान है तथा उद्योग/उत्पादन क्षेत्र में रोजगार के मामले में 23वां स्थान है।

राहुल गांधी ने दावा किया कि शिशु मृत्यु दर के मामले में बिहार का 27वां स्थान है, बीमा योजना से स्वास्थ्य सुरक्षा के मामले में 29वां स्थान है और घर में शौचालय की सुविधा के मामले में 29वां स्थान है।

कांग्रेस नेता ने बिहार में मानव विकास की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) के मामले में राज्य का 27वां स्थान है जबकि प्रति व्यक्ति आय के मामले में उसका स्थान 25वां है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, ''ये सिर्फ आंकड़े नहीं, आईना हैं – 'रियर व्यू मिरर' दिखा रहा है कि 'डबल इंजन' (सरकार) बिहार को प्रगति से कितना पीछे खींच लाई है।''

कैबिनेट ने रबी सीजन 2025-26 के लिए पीएंडके उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी रेट्स को दी मंजूरी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

पीएम मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को रबी सीजन 2025-26 के लिए फॉस्फेटिक और पोटाशिक (पीएंडके) उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) दरें तय करने से जुड़े प्रशताव को मंजूरी दी।

रबी सीजन 2025-26 के लिए अनुमानित बजटीय आवश्यकता लगभग 37,952.29 करोड़ रुपये होगी, जो कि खरीफ सीजन 2025 की बजटीय आवश्यकता से लगभग 736 करोड़ रुपए अधिक है। इस प्रशताव को मंजूरी दिए जाने के साथ किसानों को सब्सिडीयुक्त, किफायती और उचित मूल्य पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी।

डाई अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) और एनपीकेएस (नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश, सल्फर) ग्रेड सहित पीएंडके उर्वरकों पर किसानों को सब्सिडी रबी 2025-26 के लिए अनुमोदित दरों के आधार पर प्रदान की जाएगी। इससे किसानों को सश्ती कीमतों पर इन महत्वपूर्ण उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी।

रसायन और उर्वरक मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, केंद्र सरकार किसानों को डीएपी सहित पी एंड के उर्वरकों के 28 ग्रेड उर्वरक निर्माताओं और आयातकों के माध्यम से सब्सिडी वाले मूल्यों पर उपलब्ध करवा रही है। एनबीएस योजना के तहत पी एंड के उर्वरकों पर 1 अप्रैल 2010 से ही किसानों को सब्सिडी दी जा रही है। यूरिया, डीएपी, एमओपी और सल्फर जैसे उर्वरकों की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में हाल के रुझानों को देखते हुए केंद्र सरकार ने डीएपी और एनपीकेएस ग्रेड सहित फॉस्फेटिक और पोटाशिक (पीएंडके) उर्वरकों पर इस वर्ष 1 अक्टूबर से 31 मार्च 2026 तक की अवधि वाले रबी सीजन 2025-26 के लिए एनबीएस दरों को मंजूरी देने का फैसला किया है।

मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि अपने किसान हितैषी दृष्टिकोण के तहत सरकार किसानों को सश्ती कीमतों पर पी एंड के उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले इस महीने की शुरुआत में पीएम मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने मार्केटिंग सीजन 2026-27 के लिए सभी अनिवार्य रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दी थी।

अगर हम अपने चिकित्सकों का ध्यान नहीं रखेंगे तो समाज हमें माफ नहीं करेगा : कोर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने निजी क्लीनिक, औषधालयों और गैर-मान्यता प्राप्त अस्पतालों में कोविड-19 से लड़ते हुए जान गंवाने वाले चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को बीमा पॉलिसी में शामिल नहीं किए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए मंगलवार को कहा कि यदि न्यायपालिका चिकित्सकों का ध्यान नहीं रखेगी और उनके लिए खड़ी नहीं होगी तो समाज उसे माफ नहीं करेगा।

न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बीमा कंपनियां वैध दावों का निपटारा करें और यह धारणा सही नहीं है कि निजी चिकित्सक मुनाफा कमाने के लिए काम कर रहे हैं। पीठ ने कहा, ''अगर हम अपने चिकित्सकों का ध्यान नहीं रखेंगे और उनके लिए खड़े नहीं होंगे तो समाज हमें माफ नहीं करेगा...।'' उसने कहा, ''अगर आपके अनुसार यह शर्त पूरी होती है कि वे कोविड-19 से निपटने के लिए काम कर रहे थे और कोविड के कारण उनकी मौत हुई है तो आपको बीमा कंपनी को भुगतान करने के लिए बाध्य करना चाहिए। सिर्फ इसलिए कि वे सरकारी ड्यूटी पर नहीं थे, यह धारणा सही नहीं है कि वे मुनाफा कमा रहे थे।'' शीर्ष अदालत ने केंद्र को प्रधानमंत्री बीमा योजना के अलावा उपलब्ध अन्य समान या समानांतर योजनाओं के बारे में प्रासंगिक आंकड़े और जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा, ''हमें आंकड़े और प्रधानमंत्री योजना के अलावा उपलब्ध अन्य समानांतर योजनाओं के बारे में कुछ जानकारी दीजिए। हम सिद्धांत निर्धारित करेंगे और उसके आधार पर बीमा कंपनी से दावे किए जा सकेंगे।

रेलमंत्री वैष्णव ने मोंथा चक्रवात के मद्देनजर रेलवे की तैयारियों की समीक्षा की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने चक्रवात मोंथा के लिए रेलवे की तैयारियों की समीक्षा की। इस तूफान के मंगलवार को आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तेलंगाना के तटीय क्षेत्रों से टकराने की आशंका है।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक वैष्णव ने संबंधित रेलवे जोन को भारत के पूर्वी तट पर चक्रवात के प्रभाव की आशंका के मद्देनजर एहतियाती कदम उठाने का निर्देश दिया।

इसमें कहा गया कि रेल मंत्री ने प्रमुख कार्य बिंदुओं पर चर्चा की, जैसे कि मंडल श्तरीय 'वॉर रूम' को सक्रिय करना, आवश्यक सामग्री, मशीनरी और मानव शक्ति तैयार रखना, विशेष रूप से विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम और गुंटूर मंडलों में, साथ ही यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए ट्रेन परिचालन की निगरानी करना।

रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''मंत्री ने पूर्वी तट रेलवे, दक्षिणी तट रेलवे और दक्षिण मध्य रेलवे जोन को आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए संसाधन जुटाने और आवश्यक सावधानियां बरतने को कहा है।'' भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि चक्रवात मोंथा मंगलवार सुबह करीब 5.30 बजे एक गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल गया। 'मोंथा' नाम सुगंधित फूल के लिए एक थाई शब्द है, और यह थाईलैंड द्वारा दिया गया है।

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के बताया कि चक्रवात के 28 अक्टूबर की शाम या रात को काकीनाडा के आसपास मछलीपट्टनम और कनगरत्नम के बीच आंध्र प्रदेश तट से टकराने की 'प्रबल संभावना' है।

उसने बताया कि यह एक गंभीर चक्रवाती तूफान होगा जिसमें अधिकतम हवा की गति 90-100 किमी प्रति घंटे से लेकर 110 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है।

एनडीआरएफ ने चक्रवात 'मोंथा' से निपटने के लिए 45 टीम तैनात कीं

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने चक्रवात 'मोंथा' के मद्देनजर राहत और बचाव कार्यों के लिए बचाव कर्मियों की 45 टीम तैनात की हैं। चक्रवात 'मोंथा' मुख्य रूप से तटीय आंध्र प्रदेश और ओडिशा को प्रभावित करेगा तथा इसके कारण झारखंड और तमिलनाडु में भारी बारिश का पूर्वानुमान है।

एनडीआरएफ ने मंगलवार सुबह बताया कि इनमें से 25 दलों को विभिन्न राज्यों में पहले से तैनात किया गया है, जबकि शेष को 'बैकअप' के रूप में रखा गया है। उसने बताया कि आंध्र प्रदेश में 10 टीम, ओडिशा में छह, तमिलनाडु और तेलंगाना में तीन-तीन, छत्तीसगढ़ में दो और पुडुचेरी में एक टीम तैनात की गई है। एनडीआरएफ ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल तैनाती के लिए सामरिक रूप से महत्वपूर्ण स्थानों पर 20 अतिरिक्त टीम को तैयार रहने को कहा गया है। इनमें से प्रत्येक टीम को निकासी, राहत और बहाली कार्यों के लिए नावों, लोहे और लकड़ी काटने वाली मशीनों, संचार उपकरणों और अन्य विशेष बचाव उपकरणों से लैस किया गया है।

GDA वीसी अतुल वत्स बने हाथरस के डीएम

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

गाजियाबाद में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। यहां के एडीएम प्रशासन रणविजय सिंह का तबादला किया गया है। उन्हें रामपुर का सीडीओ बनाया गया है।

वहीं गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) वीसी अतुल वत्स का भी तबादला कर बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। अब अतुल वत्स को हाथरस का डीएम बना दिया गया है। उनके स्थान पर नंद किशोर कलाल नए जीडीए वीसी बनाए गए हैं।

पेरिस समझौते के तहत प्रगति के बावजूद वैश्विक जलवायु कार्रवाई अब भी धीमी : संरा ने आगाह

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

पेरिस समझौते को अपनाए जाने के 10 साल बाद संयुक्त राष्ट्र की एक नवीनतम रिपोर्ट में कहा गया है कि देश ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम करने में प्रगति तो कर रहे हैं लेकिन यह गति जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे प्रभावों से बचने के लिए पर्याप्त नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन द्वारा मंगलवार को जारी '2025 नेशनली डिटरमाइंड कंट्रीब्यूशंस (एनडीसी) सिंथेसिस रिपोर्ट' के अनुसार, जनवरी 2024 से सितंबर 2025 के बीच जमा की गईं 64 नई राष्ट्रीय जलवायु योजनाओं से 2035 तक 2019 के श्तर की तुलना में उत्सर्जन में लगभग 17 प्रतिशत की कमी आएगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि यह ''वाश्तविक और बढ़ती प्रगति'' है लेकिन अब भी तेज और गहरी उत्सर्जन कटौती के लिए ''बड़ी तेजी'' की जरूरत है, ताकि मजबूत जलवायु कार्रवाई के लाभ सभी देशों और लोगों तक पहुंच सकें। पेरिस समझौते के तहत प्रत्येक देश अपनी एनडीसी यानी जलवायु कार्रवाई योजना बनाते हैं, जिसमें उत्सर्जन घटाने के लक्ष्य और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के उपाय तय किए जाते हैं।

हालांकि, रिपोर्ट बताती है कि 90 प्रतिशत से अधिक देश 10 फरवरी 2025 की एनडीसी जमा करने की समयसीमा चूक गए। एनडीसी जमा करने वाले 64 देशों में अमेरिका, रूस, जापान, ब्राजील, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और नाइजीरिया हैं, जबकि चीन, भारत, यूरोपीय संघ, इंडोनेशिया, ईरान और सऊदी अरब ने अभी अपनी योजनाएं जमा नहीं की हैं।

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन के कार्यकारी सचिव साइमन स्टील ने कहा कि यह आंकड़ा प्रगति और त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता दोनों को दर्शाता है। उन्होंने कहा, ''दस साल बाद हम कह सकते हैं कि पेरिस समझौता वाश्तविक प्रगति दे रहा है, लेकिन इसे और तेज तथा न्यायपूर्ण बनना होगा।''

वालिया ग्लोबल एकेडमी में बैच्चों के दांतों की सुरक्षा हेतु शिविर का आयोजन

✷ **एनसीआर टुडे. नजीबाबाद** ✷। वालिया ग्लोबल एकेडमी में आज कोडिनेटर चंचल चावला के निर्देशन में बच्चों के दांतों की सुरक्षा के लिए एक विशेष दंत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय दंत चिकित्सक अनुपमा चन्द्रा और डॉ० रविन्द्र प्रताप सिंह और उनकी टीम ने बच्चों के दांतों की जाँच की। दाँतों की सही देखभाल के सही उपाय बताए। डॉ ने बच्चों को दो बार ब्रश करने और मीठा न खाने की सलाह दी। प्रधानाचार्या श्री मती अनीता सिवाच ने दंत चिकित्सकों का अभार व्यक्त करते हुए उनको धन्यवाद दिया। बताया कि इस तरह के शिविर बच्चों में स्वास्थ्य जागरुकता बढ़ाने में सहायक होते हैं।

छठ महापर्व धामपुर शुगर मिल परिसर मे बड़े ही उत्साहपूर्वक एवं श्रद्धा पूर्वक मनाया

✷ **एनसीआर टुडे. धामपुर** ✷। एशिया की सर्वाधिक गन्ना पैराई सत्र करने वाली धामपुर शुगर मिल परिसर मे छठ महापर्व बड़े ही हर्षउल्लास एवं श्रद्धांपूर्वक मनाया गया! शुगर मिल परिसर में बने विशेष घाट पर महिलाओ ने भक्ति पूर्वक पारंपरिक भजन गाकर सूर्य देव की आराधना करते हुए अर्ध्य अर्पित कर घर परिवार की सुखसमृद्धि की मंगल कामनाये की!शुगर मिल परिसर मे बने विशेष घाट पर मिल प्रशासन द्वारा सफाई व्यवस्था, लाइट एवं जल के पुख्ता इंतजाम किये गए!इस दौरान वरिष्ठ कारखाना प्रबंधक विजय गुप्ता, नीलू देवी, सुनील उपाध्याय,ममता उपाध्याय, अनिल उपाध्याय पायल उपाध्याय,मनोज कुमार, काजल देवी, वीरेंद्र यादव,कौशल्या यादव सहित मिल स्टॉफ परिवार मौजूद रहा।

पीपीपी मॉडल से बड़ी परियोजनाओं की तैयारी

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷। शासन श्तर पर अब औद्योगिक विकास प्राधिकरणों में बड़ी विकास परियोजनाओं को पब्लिक, प्राइवेट भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर लाने की तैयारी है। ऐसी योजनाओं का प्रश्ताव किस तरह से तैयार किया जाए और क्या ध्यान रखा जाए। इसे लेकर बुधवार को लखनऊ में इंजीनियरों की बैठक व प्रशिक्षण होगा। इस बैठक के लिए प्राधिकरण से भी इंजीनियरों को बुलाया गया है। ऐसे में माना जा रहा है कि नोएडा में भी इस मॉडल पर परियोजनाएं लाने की तैयारी है। पूर्व में सेक्टर-151ए में पीपीपी मॉडल पर हेलीपोर्ट बनाने का प्रश्ताव था। इसे शासन से मंजूरी भी मिली थी। दो बार प्राधिकरण ने ग्लोबल टेंडर भी जारी किया था लेकिन फिर यह प्रश्ताव आगे नहीं बढ़ पाया था।

पटाखे पर विवाद, दो पक्ष भिड़े

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷। बहलोलपुर गांव में बीते दिनों पटाखे जलाने को लेकर हुआ विवाद दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष में बदल गया। एक पक्ष ने 22 अक्तूबर को मारपीट की तो दूसरे पक्ष ने 26 अक्तूबर को मारपीट की। पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से दो लोगों का शांतिभंग में चालान कर दिया। एक पक्ष की ओर से योगेश शर्मा ने पुलिस को बताया कि पड़ोसी आकाश, लाला उर्फ प्रशांत, प्रिंस, ललित, क्रिश, हल्लू और पांच अज्ञात लोगों ने 22 अक्तूबर की रात करीब 10.15 बजे पटाखे जलाने को लेकर उनके और भाई नवीन के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की। आसपास के लोगों ने आकर बीचबचाव कराया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। मारपीट में नवीन को काफी चोटें आईं। उसका जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। वहीं, दूसरे पक्ष की ओर से डंबर सिंह ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा प्रिंस 26 अक्तूबर की रात करीब 8.30 बजे दुकान के लिए सामान लेने के लिए राजू किराना स्टोर पर गया था। वह घर लौट रहा था तो पड़ोसी योगेश शर्मा, नवीन शर्मा, सोनू, देबू, गौरव, जितेंद्र शर्मा, भरत यादव और पांच अज्ञात लोगों ने पूर्व में हुए झगड़े को लेकर प्रिंस को लाठी-डंडों से पीटना शुरू कर दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग बीचबचाव करने के लिए दौड़े तो सभी आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए।

सोसाइटियों में दिनभर बांटा गया प्रसाद

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷। ग्रेनो वेस्ट स्थित सोसाइटियों में मंगलवार को दिनभर प्रसाद वितरण किया गया। महिलाओं ने घर-घर जाकर लोगों को महाप्रसाद ठेकुआ दिया। चेरी काउंटी सोसाइटी के निवासियों ने बताया कि पिछले आठ साल से चेरी काउंटी छठ पूजा समिति इस पर्व को भव्य रूप से मना रही है।

हिमाचल में प्राकृतिक आपदाओं का कहर

चार साल में 46000 करोड़ का नुकसान, सीएम ने जारी की रिपोर्ट

शिमला , एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश को पिछले चार सालों में प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के कारण 46,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा सोमवार को जारी राज्य मानव विकास रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। सुक्खू ने कहा कि वर्तमान में पहाड़, नदियां, जंगल और ग्लेशियर ग्लोबल वार्मिंग के शिकार हैं, जिसके कारण राज्य अत्यधिक वर्षा, बाढ़ और भूस्खलन जैसी समस्याओं से जूझ रहा है।

यह रिपोर्ट पर्यावरण एवं विज्ञान विभाग द्वारा संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की मदद से तैयार की गई है। हिमाचल प्रदेश मानव विकास रिपोर्ट 2025: जलवायु प्रभावित विश्व में भविष्य का निर्माण शीर्षक वाली 256 पन्नों की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले पांच मॉनसून के मौसम में इस तरह की आपदाओं में लगभग 1,700 लोगों की जान चली गई। रिपोर्ट के अनुसार, अनियमित वर्षा के कारण 70 प्रतिशत पारंपरिक जल स्रोत सूख रहे हैं या दबाव में हैं, जिससे जल संकट गहरा रहा है, जिससे कई गांवों की आबादी कम हो रही है। रिपोर्ट के मुताबिक जंगल में आग लगने की घटनाएं भी 2022-2023 में 856 से बढ़कर 2024-25 में 2,580 हो गई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 1901 से औसत वार्षिक तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है। सदी के मध्य तक तापमान 2-3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने का अनुमान है। साथ ही, यह चेतावनी भी दी गई है कि जलवायु परिवर्तन बढ़ते तापमान, अत्यधिक बारिश या बादल फटने, हिमनद झीलों के फटने से बाढ़ और जंगल की आग के माध्यम से आर्थिक विकास को प्रभावित कर सकता है। ग्लेशियर प्रति वर्ष 50 मीटर से अधिक की दर से पीछे हट रहे हैं, जबकि नई हिमनद झीलों के निर्माण ने लस्त्रस्न के जोखिम को बढ़ा दिया है। अकेले सतलुज बेसिन में हिमनद झीलों की संख्या 2019 में 562 से बढ़कर 2023 में 1,048 हो गई और चिनाब और रावी बेसिन में भी इसी तरह के रुझान देखे गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि लस्त्रस्न का जोखिम कुल्लू और किन्नौर जिलों में सबसे अधिक है। इसमें कृषि, निर्माण और पर्यटन क्षेत्रों में आर्थिक व्यवधानों का भी आकलन किया गया है और कहा गया है कि राज्य की जलवायु संकट के प्रति अनुकूलन क्षमता बढ़ाने के लिए अनुमानित 10,000 करोड़ रुपये की आवश्यकता है। सीएम सुक्खू ने रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि यह रिपोर्ट राज्य की प्रगति, लचीलेपन और लोगों की आकांक्षाओं को दर्शाती है। सुक्खू ने कहा, यह गर्व की बात है कि मानव विकास रिपोर्ट-2025 के अनुसार, हिमाचल प्रदेश का औसत मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) 0.78 है, जो राष्ट्रीय औसत 0.63 से अधिक है। हालांकि, जिला स्तर पर जलवायु-समायोजित एचडीआई के विश्लेषण से पता चला है कि राज्य में समग्र विकास संभावित खतरों के प्रति अधिक लचीला है। सुक्खू ने जलवायु परिवर्तन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक गंभीर वैश्विक समस्या के रूप में उभरा है और यदि तत्काल कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया तो वर्तमान और भविष्य दोनों पीढ़ियों को इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने आगे कहा कि राज्य ने हाल ही में पूर्ण साक्षर राज्य बनने का गौरव प्राप्त किया है, जहां साक्षरता दर 99.30 प्रतिशत है, जबकि राज्य में गरीबी दर 7 प्रतिशत से कम है। उन्होंने आगे कहा कि शिशु मृत्यु दर घटकर 1,000 जीवित जन्मों पर 21 रह गई है और जीवन प्रत्याशा बढ़कर 72 वर्ष हो गई है। इस वर्ष मॉनसून के दौरान, हिमाचल प्रदेश को जलवायु परिवर्तन के कारण भारी नुकसान हुआ है।

1 की 8वीं मंजिल से गिरकर मौत

नोएडा , एजेंसी।
नोएडा सेक्टर-74 स्थित सुपरटेक नॉर्थ आई सोसाइटी में रविवार सुबह आठवीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट की बालकनी से गिरकर 29 वर्षीय शुभम कुमार युवक की मौत का मामला उलझता जा रहा है। नौ युवकों ने इस फ्लैट को समलैंगिक पार्टी करने के लिए एक रात के लिए किराये पर लिया था। ये सभी इससे पहले कभी नहीं मिले थे।

एसीपी ट्विंकल जैन ने बताया कि मृतक के शव का सोमवार को पोस्टमॉर्टम हुआ। परिजन शव को गृह जनपद अलीगढ़ लेकर चले गए। वहीं, उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा। इसके बाद परिजनों ने मामले की लिखित शिकायत पुलिस से करने की बात कही है। इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में युवक की मौत का कारण एंटीमार्टम इंजरी आया है। उसके शरीर पर टकराने निशान मिले हैं।

पुलिस के मुताबिक फ्लैट में मिले दोनों युवकों से पूछताछ हो रही है। एक युवक ने बताया कि जिस समय घटना हुई फ्लैट पर सिर्फ तीन युवक थे। एक युवक घर जाने के लिए सामान पैक कर रहा था। दूसरा सोफे पर बैठकर मोबाइल चला रहा था। जिस 29 वर्षीय शुभम कुमार की मौत हुई है, वह रविवार सुबह साढ़े छह बजे के करीब बालकनी में गया। कुछ देर तक वह बाहर देखता रहा। इसके बाद वह कुर्सी पर चढ़ा और नीचे छलांग लगा दी। अस्पताल म डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवकों का कहना है कि उनका एक दूसरे से पहले से परिचय नहीं था। ऐसा में उन्हें जानकारी नहीं है कि शुभम ने बालकनी से छलांग क्यों लगाई।

शुभम कुमार अलीगढ़ के हरदुआगंज का रहने वाला था। परिजनों के मुताबिक शुभम एक मेडिकल कंपनी में सेल्स रिप्रेजेंटेटिव के रूप में काम करता था। शुभम को क्या परेशानी थी, इसको जानने के लिए पुलिस उसके साथियों से भी संपर्क करेगी। युवक की जो तस्वीर वायरल हो रही है उसमें उसके पेट समेत शरीर के अन्य हिस्से पर कई टैटू भी गुदे हैं।

फ्लैट की मालिकन से पूछताछ होगी : पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फ्लैट में कुल नौ लोग थे। सभी अलग-अलग शहरों और राज्यों के रहने वाले थे। कोई भी एक दूसरे को पहले से नहीं जानता था। एक वॉट्सऐप ग्रुप और ऐप पर सभी की आपस में बात हुई और सभी ने मिलने की बात कही। इसके बाद सोसाइटी का फ्लैट एक दिन के लिए चार हजार के किराये पर लिया गया। फ्लैट एक महिला के नाम पर है। इसे वह किराये पर देती है।

एयरपोर्ट से फ्लाइट उड़ान भरने को तैयार, 15 दिन में काम पूरा करने का टारगेट

नोएडा , एजेंसी।
नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का सपना अब सच होने की दहलीज पर खड़ा है। जेवर में फैला नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट अब जनता के लिए खुलने से सिर्फ दो कदम दूर है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि बाकी कामों में सड़कों व खुले स्थानों से निर्माण सामग्री हटाना, लैंडस्केपिंग, हॉर्टिकल्चर और पेंटिंग जैसी फिनिशिंग शामिल है। दूसरा प्रमुख काम ष्ठत्तष्ट से एयरोड्रोम लाइसेंस प्राप्त करना है, जो हर कमर्शियल एयरपोर्ट के लिए अनिवार्य है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया ने कहा, यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड को निर्देश दिया गया है कि उद्घाटन तिथि तय होने से पहले 15 दिनों में सभी बाकी काम पूरे कर लिए जाएं। इसमें टर्मिनल व अन्य भवनों की सफाई, सड़कों से मलबा हटाना और सौंदर्यीकरण शामिल है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को साइट का दौरा किया और दो हफ्तों में एयरपोर्ट को पूरी तरह तैयार करने के निर्देश दिए।

सितंबर में ब्लूष्ट्स से एयरसाइड सिक्योरिटी क्लियरेंस मिल चुका है। अब ष्ठत्तष्ट सिस्टम टेस्टिंग और ट्रायल फ्लाइट करेगा। भाटिया ने कहा, सभी सुरक्षा मानकों की जांच के बाद लाइसेंस जारी होगा, जिसके बाद उद्घाटन तिथि तय की जाएगी। पहले चरण में 3300 एकड़ में फैला यह ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट भारत के सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स में से एक है। अब तक 6700 एकड़ जमीन अधिग्रहित हो चुकी है और अगले तीन महीनों में 5100 एकड़ और जुड़ेंगी।

गैंगस्टर सुनील सरधानिया को दीपक नांदल कर रहा था फंडिंग

गुरुग्राम, एजेंसी। सिंगर और हरियाणवी रैपर राहुल यादव उर्फ फाजिलपुरिया पर फायरिंग और प्रॉपर्टी डीलर की हत्या करवाने में शामिल गैंगस्टर सुनील सरधानिया और गैंगस्टर दीपक नांदल साल 2008 से दोस्त है। जांच में खुलासा हुआ है कि सुनील सरधानिया को दीपक नांदल फंडिंग कर रहा था।

इसी वर्ष दोनों के खिलाफ रोहतक और सोनीपत में पहला अपराधिक मामला दर्ज हुआ था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार दोनों 17 साल पुराने दोस्त है। दोनों के खिलाफ गुरुग्राम में भी तीन-तीन मुकदमे दर्ज हैं। पांच दिन के रिमांड के दौरान गैंगस्टर सुनील सरधानिया ने पूछताछ में खुलासा किया की हत्या के मामले में

हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद उसने सबसे पहले फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट बनवाया।

इसके बाद दिल्ली से फ्लाइट लेकर सुनील दुबई पहुंच गया। जांच में सामने आया कि सुनील सरधानिया के पास रुपये नहीं थे। ऐसे में जेल से जमानत करवाने और इसके बाद फर्जी दस्तावेजों पर पासपोर्ट बनवाने के साथ-साथ दुबई तक पहुंचाने के लिए फंडिग दीपक नांदल ने की थी। वहां पर कुछ दिन रहने के बाद वह डंकी रूट के जरिए दीपक के साथ अमेरिका जाने की योजना तैयार की। साल 2024 में दुबई पहुंचने के बाद सुनील सरधानिया ने एजेंट से संपर्क किया। एजेंट के माध्यम से डंकी रूट से अमेरिका में पहुंचने की तैयारी थी। बीते दस महीनों से सुनील सरधानिया को एजेंट ने दुबई से आगे यूरोप के कुछ देशों का वीजा लगवाकर उसे फ्लाइट से वहां भेजा गया। वहां उसे डंकी रूट से मैक्सिको में अमेरिका तक पहुंचने का एजेंट ने रूट तैयार किया। इसके लिए एजेंट को लाखों रुपये दीपक नांदल ने ही दिए थे। बीते कुछ महीनों में सुनील सरधानिया 15 देशों की यात्रा करते हुए सेंट्रल अमेरिका के मध्य अमेरिका के कोस्टा रिका देश में पहुंच गया था। वहां से अमेरिका सिर्फ साढ़े तीन हजार किलोमीटर रह गया था। आने वाले कुछ महीनों में वह अमेरिका में प्रवेश कर जाता,लेकिन उससे पहले ही गुरुग्राम पुलिस के दबाव के चलते भारत सुनील पहुंच गया।

यशो भूमि या रेजांगला? गुरुग्राम के किस रूट पर चलेगी मेट्रो, होगा सर्वे

गुरुग्राम , एजेंसी।
यशो भूमि और रेजांगला मेट्रो रूट का यातायात अध्ययन (सर्वेक्षण) किया जाएगा। इसके बाद तय किया जाएगा कि इन दोनों में से किस रूट पर मेट्रो का संचालन किया जाए। यह फैसला हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन (एचएमआरटीसी) की बैठक में हुआ है। अगले माह कंपनी का चयन कर लिया जाएगा।

दिल्ली मेट्रो रेल कार्पोरेशन (डीएमआरसी) ने द्वारका एक्सप्रेसवे स्थित यशो भूमि मेट्रो स्टेशन से लेकर इफ्को चौक मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो रूट की डीपीआर तैयार करने के लिए हरियाणा सरकार से मंजूरी मांगी है। द्वारका (सेक्टर-21) से रेजांगला चौक तक मेट्रो संचालन की डीपीआर तैयार की हुई है। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में बोर्ड बैठक हुई थी। इसमें डीएमआरसी के इस प्रस्ताव को रखा। एचएमआरटीसी अधिकारियों ने बैठक में कहा कि यदि यशो भूमि से फ्को चौक तक मेट्रो की अनुमति डीएमआरसी मिलती है तो रेजांगला मेट्रो की जरूरत नहीं पड़ेगी।

डीएमआरसी के शुरुआती सर्वे के मुताबिक यशो भूमि मेट्रो स्टेशन से इफ्को चौक मेट्रो स्टेशन तक करीब 11 किलोमीटर लंबी मेट्रो लाइन डाली जाएगी। यह भरथल, बिजवासन, कार्टरपुरी, सेक्टर-23 से होते हुए दिल्ली-जयपुर हाईवे स्थित इफ्को चौक मेट्रो स्टेशन के समीप पहुंचेगी। डीपीआर तैयार होने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी कि इस मेट्रो रूट में कितने स्टेशन बनेंगे और कितनी लागत आएगी।

एचएमआरटीसी की तरफ से तीन साल पहले करवाए गए

सर्वे के मुताबिक रेजांगला चौक मेट्रो रूट के निर्माण पर 1892 करोड़ रुपये की लागत आएगी। 8.40 किमी मेट्रो रूट में कुल सात मेट्रो स्टेशन का निर्माण होगा। इसमें गुरुग्राम में चार स्टेशन होंगे, जबकि दिल्ली में तीन मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे। गुरुग्राम में पालम विहार, चौमा, सेक्टर-110ए और सेक्टर-111 में मेट्रो स्टेशन तैयार होंगे, जबकि दिल्ली में दिल्ली के सेक्टर-28, आईआईसीसी और द्वारका के सेक्टर-21 में मेट्रो स्टेशन का निर्माण करने की योजना तैयार की गई है।

यीडा क्षेत्र में अपैरल पार्क के लिए जमीन खरीदी जाएगी, परियोजना को मिलेगी तेजी

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-29 स्थित अपेरल पार्क के लिए भूमि खरीद की तैयारी है। जमीन के अभाव में आवंटियों के भूखंड आवंटन समेत सेक्टर में परियोना के लिए मूलभूत सुविधाओं को विकसित करने में भी परेशानी आ रही है, जिससे भी दिक्कतें दूर हो जाएगी।

बता दें कि, यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर-29 में 175 एकड़ में अपेरल पार्क विकसित किया जा रहा है। प्राधिकरण अभी सिर्फ 81 एकड़ भूमि का भी आवंटन कर दिया है। इस भूमि पर अबतक 81 भूखंड आवंटित किए जा चुके। इनमें से 65 की लीजडीड हो चुकी है, जबकि 61 आवंटी रजिस्ट्री भी करा चुके हैं। अबतक मौके पर 43 आवंटियों को भूखंड पर कब्जा मिल चुका है। 16 भूखंड का बिल्डिंग मैनेजमेंट प्लान अनुमोदित किया गया है, जबकि सात कंपनियों निर्माणाधीन है। अब प्राधिकरण परियोजना में नई भूखंड स्कीम निकालने पर विचार रहा है, लेकिन इसके लिए पहले भूमि खरीदनी होगी, ऐसे में प्राधिकरण ने परियोजना के लिए शेष 94 एकड़ भूमि को खरीदने का प्लान तैयार कर लिया है। दावा है कि उक्त भूमि से रुके हुए कार्य समेत परियोजना को गति देने में मदद मिलेगी।

अधिकारियों के मुताबिक एयरपोर्ट आने से शहर में कई टेक्सटाइल कंपनियों ने रुचि दिखाई है। यहां ज्यादातर एक्सपोर्ट वाली कंपनियां आना चाहती है, ताकि उनका सामान कम समय में देश-विदेश में पहुंच सके। यमुना सिटी के अपेरल पार्क में रोजगार के बड़े अवसर, निर्यात के लिए बेहतर सुविधाएं और छोटे उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। इस पार्क में तीन लाख से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे, जिसमें से 70 प्रतिशत पद महिला कर्मचारियों के लिए आरक्षित होंगे। यहां एक ही छत के नीचे उत्पादन से लेकर पैकेजिंग और निर्यात तक की पूरी व्यवस्था होने से सामान का आयात-निर्यात और विनिर्माण तेजी से हो सकेगा।

नोएडा परिधानों का शहर माना जाता है, यहां बड़ी संख्या में विनिर्माण इकाइयां हैं। वर्तमान में लगभग 4000 कारखाने तैयार कपड़े बना रहे हैं। उनका वार्षिक निवेश लगभग 40 हजार करोड़ रुपये है। ऐसे में यीडा में अपेरल पार्क शुरू होने से इसे बूस्ट मिलेगा। अपेरल पार्क में विभिन्न सेक्टरों को जोड़ने वाली 45 मीटर चौड़ी रोड होगी। यहां विभिन्न कंपनियों के शोरूम, कच्चे माल के स्रोत केंद्र, परीक्षण प्रयोगशाला, डिजाइन स्टूडियो, नमूना घर, लेबलिंग और प्रसारण इकाइयां, कौशल विकास केंद्र, रंगाई और छपाई इकाइयां आदि होंगी। सीईओ यीडा आरके सिंह ने बताया कि अपेरल पार्क की बची जमीन को खरीदने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

गाजियाबाद में ऑटो गैंग और पुलिस में हुई मुठभेड़

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद पुलिस ने अलग-अलग दो मुठभेड़ में 6 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनमें से 5 गोली लगने से घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया, 4 बदमाश ऑटो गैंग के सदस्य थे, जो कि गिरोह बनाकर ऑटो में सवारियों को बातों में उलझा कर उनका सामान चुरा लेते थे। वहीं दो बदमाश लूट और चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। पुलिस ने बदमाशों के पास से नकदी, जेवर और ऑटो बरामद किया है।

एसीपी नंदग्राम उपासना पांडेय ने बताया कि मंगलवार तड़के सिहानी गेट थाना पुलिस टीम डीपीएस कट हमदर्द ग्राउंड के पास चेकिंग कर रही थी। इस दौरान एक ऑटो में सवार चार संदिग्ध व्यक्ति आते दिखाई दिए। पुलिस टीम ने रुकने का इशारा किया, लेकिन आरोपियों ने ऑटो नहीं रोका और तेज रफ्तार में बैरियर से टकरा गए। घटना में दो उपनिरीक्षक घायल हो गए। आरोपियों ने ऑटो को

डीपीएस फाटक की ओर मोड़कर भागने की कोशिश की। पुलिस ने घेराबंदी की तो खुद को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी, जिस पर पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ के दौरान चारों बदमाशों के पैर में गोली लगी और पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नफीस उर्फ पप्पन, आमिर, रिहान और शुऐब के रूप में हुई है, जो सभी लोनी क्षेत्र के टोली मोहल्ला के रहने वाले हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से चार देशी तमंचे, चार जिंदा कारतूस, चार खोखा कारतूस, पीली धातु के कुंडल और अंगूठी, सफेद धातु की पाजेब और 59 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। इसके अलावा वारदात में प्रयुक्त ऑटो भी जब्त कर लिया गया है।

पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने कबूल किया कि वे सवारी बनकर ऑटो में बैठे साथियों की मदद से अकेली यात्रियों को निशाना बनाते थे। ये लोग सवारी को ऑटो में बैठाकर कभी कोरोना चेकिंग तो कभी इनकम टैक्स जांच का बहाना बनाते थे और जांच के नाम पर सवारी के गहने, रुपए और मोबाइल आदि थैले में रखवा लेते थे और बाद में सवारी को बीच रास्ते में उतारकर थैला बदलकर भाग जाते थे। दूसरी मुठभेड़ में वेव सिटी पुलिस ने सोमवार देर रात दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जबकि दूसरा पुलिस की घेराबंदी में दबोच लिया गया। पुलिस ने मौके से दो तमंचे, कारतूस, एक बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल, एक कटर और दो बोरे में भरा चोरी का बिजली का तार बरामद किया है। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि वेव सिटी पुलिस टीम दूधिया पीपल से भूड़गढ़ी जाने वाले रास्ते पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने एक मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध व्यक्तियों को रुकने का इशारा किया, लेकिन उन्होंने रुकने के बजाय भागने का प्रयास किया। इस दौरान उनकी बाइक फिसल गई और दोनों बदमाश खेतों की ओर भागने लगे। पुलिस ने जब उन्हें रोकने की कोशिश की तो बदमाशों ने जान से मारने की नीयत से पुलिस टीम पर फायर झोंक दिया। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की।

अमित शाह बोले भाजपा को किसी बैसाखी की जरूरत नहीं, सीएम फडणवीस ने दी सफाई

मुंबई, एजेंसी । महाराष्ट्र में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बैशाखी वाले बयान के बाद राज्य में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है । मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शाह के बयान पर सफाई देते हुए कहा कि दोस्त बैशाखी नहीं होते हैं । दरअसल, आगामी चुनावों के लिए कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए अमित शाह ने सोमवार को कहा कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी को बैसाखियों की जरूरत नहीं है, पार्टी अब अपने बल पर चलती है । राजनीतिक हलकों में अमित शाह के इस बयान के कई मायने निकाले जा रहे थे । हालांकि शाम होते-होते मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सफाई सामने आ गई । एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साथ तीन दलों की गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहे फडणवीस ने कहा, जो लोग इस टिप्पणी पर सवाल उठा रहे हैं, वे ‘ बैसाखी ’ का मतलब नहीं समझते । दोस्त बैसाखी नहीं होते । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दक्षिण मुंबई के चर्चगेट स्टेशन के पास भाजपा के नए कार्यालय के उद्घाटन के लिए आए हुए थे । पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वे यह सुनिश्चित करें कि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में विपक्ष का इस तरह सफाया हो कि वे दूरबीन से भी नजर न आएं । उन्होंने कहा, हमने साबित कर दिया है कि परिवारवाद वाली पार्टियों की राजनीति अब इस देश में नहीं चलेगी ।

विजयनगर में सेना की जमीन पर उपवन बनाने की मंजूरी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। विजयनगर में सेना की कब्जामुक्त जमीन पर दो उपवन (पार्क) बनाए जाएंगे। शासन ने फिलहाल आठ में से दो उपवन बनाने की मंजूरी दी है। उपवन में छायादार और फलदार पौधे लगाए जाएंगे। इस पूरे इलाके को हरा भरा किया जाएगा। इससे वायु प्रदूषण में कमी आने की उम्मीद है। इस साल जनवरी में रक्षा संपदा विभाग मेरठ ने विजयनगर के चांदमारी इलाके में सेना की करीब 161 एकड़ जमीन से अतिक्रमण हटाया था, जिस पर कई साल से लोग अवैध रूप से झुग्गियां डालकर रह रहे थे। वहां दुकानें बनी थी। रक्षा संपदा विभाग ने वन विभाग और निगम से सेना की जमीन पर पौधे लगाने के लिए पत्र लिखा। निगम के उद्यान विभाग ने कुछ जगह पौधे लगा दिए हैं।वहीं उद्यान विभाग ने उपवन बनाने के लिए शासन को प्रश्ताव भेजा था। उद्यान विभाग के सूत्रों ने बताया कि आठ उपवन बनाने की फाइल शासन को भेजी थी। लेकिन शासन ने दो उपवन बनाने की मंजूरी दी है। उद्यान विभाग विभिन्न तरह के पौधे लगाएगा। उद्यान प्रभारी ने बताया कि खाली कराई जमीन पर पौधे लगाकर दोबारा अतिक्रमण होने से रोका जाएगा। क्षेत्र में हरियाली बढ़ने से वायु प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी। बता दें सेना की इस जमीन पर राइफल रेंज बनानी थी। लेकिन जमीन के चारों तरफ घनी आबादी बस गई है।

दो लाख रुपये लेने के बाद झूठे केस में फंसाने की दी धमकी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। शालीमार गार्डन थानाक्षेत्र में रहने वाले व्यक्ति को भाई कहने वाली महिला ने उनसे दो लाख रुपये ले लिए। पैसे लौटाने को कहने पर महिला ने झूठे केस में फंसाने की धमकी दी। आरोपी ब्लैकमेल करते हुए और रुपये मांगने लगी। कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। दिलशाद कॉलोनी निवासी नदीम ने पुलिस को बताया कि वह पूर्व में दिल्ली में रहते थे, जहां पड़ोस में रहने वाली फरहत से परिचय हुआ था। फरहत उन्हें भाई बोलती थी। फरहत ने करीब तीन साल पहले उनसे 25 हजार रुपये लिए। इसके बाद कई बार जरूरत बताकर उनसे कुल दो लाख रुपये ले लिए। एक साल बाद पीड़ित ने रुपये लौटाने को कहा तो वह धमकी देने लगी। फरहत ने कई बार फोन और व्हाट्सएप पर धमकी भरे संदेश भेजे और ब्लैकमेल करने की कोशिश की। उसने झूठे आरोप लगाते हुए दिल्ली, मेरठ और गाजियाबाद में शिकायतें कीं। झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर उनसे और रुपये मांगने लगी, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को शिकायत दी। सुनवाई न होने पर पीड़ित ने कोर्ट में गुहार लगाई। सीओ शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जमीन का सौदा कर ढाई करोड़ हड़पे

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। दिल्ली की एक कंपनी की संचालिका ने भूड़गढ़ी निवासी व्यक्ति पर जमीन बेचने का सौदा कर 2.64 करोड़ रुपये हड़पने का आरोप लगाते हुए मसूरी थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर आगामी कार्रवाई की जाएगी। नई दिल्ली की डिफेंस कॉलोनी निवासी जैबा उर्फी ने बताया कि वह ओरियन एलॉय एंड स्ट्रिप्स लिमिटेड कंपनी की निदेशक हैं। दिसंबर 2023 में मसूरी थानाक्षेत्र के भूड़गढ़ी निवासी प्रॉपर्टी डीलर रामकिशन ने वेद प्रकाश से मिलाया था। आरोप है कि वेद प्रकाश ने डासना स्थित करीब 3080 वर्गगज जमीन का सौदा किया। जनवरी 2024 से फरवरी 2025 तक वेदप्रकाश ने किश्तों में कुल 2.64 करोड़ रुपये ले लिए। इस दौरान थोड़ी जमीन की रजिस्ट्री कर दी गई, लेकिन शेष जमीन के नामांतरण के नाम पर आरोपी रकम मांगता रहा। जैबा उर्फी का कहना है कि जांच में पता चला कि शेष जमीन सरकारी है। इस बारे में पूछताछ की तो आरोपी ने रजिस्ट्री करने से इनकार कर दिया। फर्जीवाड़े के संबंध में पीड़िता ने सीओ मसूरी को शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। सीओ मसूरी लिपि नगायच का कहना है कि शिकायत के आधार पर 27 अक्तूबर को आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

महिला और बच्चों के साथ मारपीट, तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की आर्य नगर कॉलोनी में पुराने विवाद को लेकर महिला और उसके बच्चों के साथ मारपीट की गई। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। आर्य नगर कॉलोनी निवासी महिला ताहिरा व उसके बच्चों के साथ शनिवार को जेठ सादिम, देवर शोएब व देवरानी रेशमा ने पुराने विवाद को लेकर लाठी डंडे से मारपीट की। मारपीट में पीड़िता के सिर पर काफी चोट आई। पीड़िता के पिता द्वारा विरोध करने पर तीनों जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गये। परिजन घायल हालत में महिला को संयुक्त अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद महिला को छुट्टी दे दी। पीड़िता ने बताया कि 16 अक्तूबर को भी आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की थी। आस पास रहने वाले लोगों ने बीच बचाव कर समझौता करा दिया था। उस समय पुलिस कार्रवाई न किए जाने से आरोपियों के हौसले बुलंद हो गए। जिसके चलते आरोपियों ने दस दिन बाद दोबारा मारपीट की घटना को अंजाम दिया। पीड़िता ने मामले की शिकायत पुलिस से की। सीओ अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

फर्जी बैनामे देकर दंपति ने 75 लाख का ऋण लिया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। टीला मोड़ थानाक्षेत्र की दो संपत्तियों के फर्जी बैनामे देकर दंपति ने 75 लाख रुपये का ऋण ले लिया। किश्त का भुगतान न मिलने पर वित्त कंपनी ने जांच की तो फर्जीवाड़े का पता चला। टीला मोड़ थाने में दंपति व उनके साथी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। कंपनी के प्रतिनिधि फिरोज खान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि डिफेंस कालोनी निवासी राजू कुमार और उनकी पत्नी मोनिका ने होम लोन और टॉप अप समेत करीब 75.19 लाख रुपये का ऋण लिया था। पहले ऋण के एवज में इंद्रप्रस्थ कॉलोनी स्थित एक भूखंड को बंधक किया था।

सरकारी राशन की कालाबाजारी रोकने को आखिर किसका है इंतजार?

शासन की मंशा को पलीता लगा रहा पूर्ति विभाग - मण्ड़ी सचिव

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

राशन कार्ड धारकों को सुविधाये देने के लिए प्रदेश सरकार कितना भी प्रयास कर ले लेकिन राशन कार्ड उपभोक्ता चन्द पैसे के लालच में प्रदेश सरकार के आपूर्ति विभाग की सरकारी व्यवस्थाओं को चुना लगा रहे है। जिले में राशन डीलरों की दुकानों एवं गलियों में घूम रहे ई रिक्शो पर देखने को मिला। जहां राशन उपभोक्ताओं को चन्द पैसों का लालच देकर राशन डीलरों की मिलीभगत से राशन माफियाओ के कर्मचारी सरकारी राशन के चावल की खरीद फरोख्त करते नजर आये।

स्थानीय लोगो की मानें तो सरकारी राशन की खरीद फरोख्त राशन माफियाओं के द्वारा बड़े पैमाने पर सरकारी अधिकारियों एवं स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत से किया जा रहा है। जिसका नुकसान आपूर्ति विभाग ही नही बल्कि उन गरीब कार्ड धारकों को हो रहा है जिन्हें सरकार के द्वारा राशन दिए जाने के लिए कार्ड उपलब्ध कराया गया है। ये अलमत शहर ही नहीं बथ्लक देहात में ही नही बल्कि आसपास के गाँव मे राशन बाटने के निर्धारित समय और दिनांक के अनुसार राशन की दुकानों के आसपास राशन माफियाओं के कर्मचारी तैनात हो जाते है। जो कि पैसों का लोभ देकर गरीब की रोटी छीनने पर मजबूर कर रहा है।

माफियाओं की गतिविधियों पर कोई अंकुश नहीं लग सका है। सूत्रों के अनुसार हर माह सैकड़ों कुंतल गेहूं-चावल दिल्ली-नोएडा भेजा जा रहा है। जिले में करीब साढ़े छह लाख राशन कार्डधारक हैं। इसमें अंत्योदय और गृहस्थी कार्डधारकों को दो-दो किलो प्रति यूनिट चावल दिया जाता है। इसमें बड़ी मात्रा मेंचावल माफियाओं के पास पहुंच जाता है।

राशन माफिया गोदाम खोल कर बैठे हुए हैं और जमकर कालाबाजारी की जा रही है। सड़कों पर दिन रात राशन माफियाओं के गुर्गे ठेले वाले बनकर घर-घर से चावल इकट्ठा करते हैं,और गोदामों तक पहुंचाते हैं। पूर्व में जिले के घोषित राशन माफियाओं पर गैंगेस्टर लगाए जानेकी कार्यवाही किए जाने की प्रक्रिया शुरू भी हुई लेकिन पूरी अब तक नहीं हो सकी। पूर्व में अधिकारियों आठ माह में विभिन्न कार्रवाई करते हुए 37 मुकदमें दर्ज कराए गए थे। कालाबाजारी के इन मुकदमों में 27 मुकदमें सिर्फ चावल के थे। विभाग ने भारी संख्या में सरकारी चावल भी बरामद किया था। जिससेस्पष्ट था कि चावल पर राशन माफिया पूरी तरह से हावी हैं।

ऐसे चलता राशन माफियाओं का नेटवर्क

राशन माफिया उपभोक्ता और राशन डीलरों सेचावल खरीदते हैं। इसके लिए वह उन्हें 20-22 रुपए प्रति किलो के हिसाब से भुगतान करते हैं। जब उपभोक्ता राशन की दुकान से चावल खरीदकर ले जाते हैं, तो इसके बाद माफियाओं के लोग फेरी वाले बनकर गांवों में जाते हैं और यह चावल खरीद लेते हैं। वहीं राशन डीलरों से भी इनके संपर्क हैं। कई कोटेदार भी ऐसे हैं, जो इन्हें चावल उपलब्ध कराते हैं।

जिले के टॉप 10 राशन माफिया

सुबोध बंसल, विकास लोक कालोनी, गांधीपार्क -सचिन अग्रवाल, विकास लोक कालोनी गांधी पार्क,गजेंद्र पाल, केशव बिहार धनीपुर,सुमीत कुमार, केशव बिहार,धनीपुर राजेश कुमार, कमालपुर गांधीपार्क ,शिव कुमार, कमालपुर गांधीपार्क हरिओम गुप्ता, श्यामनगर अलीगढ़ -पंकज वार्ष्णेय,किशन बिहार कालोनी, मित्र नगर ,बशी उर्फ हरवंशग्राम, तेहरा सहाराकलां -बबलूसिंह, मोहकमपुर ,इगलास आदि शामिल हैं।

छुटभैया राशन माफिया

वहीं शहर में ग्रामीण अंचल गभाना से एक चावल माफिया रजत चौहान अपने भाई को सुप्रीम कोर्ट का अधिवक्ता बताकर सिंधौली नीवरी मोड़ गभाना व अन्य स्थानों पर चार जगह राशन के चावल की कालाबाजारी कर रहा है, वही मेलरोज बाईपास के पीछे मलिक चौक में भोला ठाकुर, रावणटीला विशाल गुप्ता, मौलाना आजाद नगर जमालपुर रेलवे लाइन पार 24 पुरा रोड़ पर गुड्डू मलिक और अकील व शानू और नफीस तथा शाहजमाल एड़ीए कॉलौनी में अबरार, रशुवीर पुरी अम्बेड़कर पार्क के पास गौरव, गांधी नगर में मुरारी लाल, अचल ताल पर गौरव की चक्की आदि के सरकारी राशन का चावल और मक्का खरीदने के लिये अवैध रूप से गोदाम बना रखे हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म का प्रयास, आरोपी फरार पुलिस जाँच में जुटी

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

नगर में 6 वर्षीय नाबालिग लड़की से कपड़े उतारकर दुष्कर्म के प्रयास का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी युवक की तलाश में छापेमारी कर रही है। लेकिन अभी तक उसे गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता नहीं मिली है।

पीड़िता के घर के सामने रहने वाले एक युवक कथित तौर पर 6 वर्ष की नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर छत पर ले गया। वहाँ उसने बच्ची के कपड़े उतारकर दुष्कर्म करने का प्रयास किया। घटना की जानकारी मिलने पर बालिका के परिजनों ने तुरंत पुलिस को तहरीर दी और आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

इस संबंध में हल्दौर प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने बताया, 'हमें मामले की तहरीर मिल गई है। नाबालिग से दुष्कर्म के प्रयास के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बी एन एस की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने युवक को हिरासत में लेने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। कामुक दरिंदे की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। झालू चोकी प्रभारी कुलदीप कुमार ने दावा किया कि पुलिस आरोपी दरिंदे की गिरफ्तारी के बेहद करीब पहुंच गई है। शीघ्र ही कामुक दरिंदा सलाखों के पीछे होगा।

क्रिप्टो करेंसी में ट्रेडिंग के नाम पर पौने 12 लाख ठगे

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

साइबर अपराधियों ने क्रिप्टो करेंसी में निवेश के नाम पर संजयनगर सेक्टर-23 में रहने वाले व्यक्ति से पौने 12 लाख रुपये ठग लिए। ठगी का पता लगने पर पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

संजयनगर सेक्टर-23 में रहने वाले योगेश कुमार राघव का कहना है कि फेसबुक पर 19 अगश्त 2025 को उनका संपर्क कृतिका शर्मा नामक युवती से हुआ। उसने खुद को क्रिप्टो ट्रेडिंग एक्सपर्ट और बेंगलुरु में इंटीरियर डेकोरेशन बिजनेस संचालक बताया।

बाद में उसने उनकी मुलाकात अनिश नाम के युवक से कराई, जिसने खुद को एक क्रिप्टो कंपनी का सीनियर अकाउंट मैनेजर बताया। आरोप है कि अनिश ने पहले कमाई का लालच देकर उनसे एक ट्रेडिंग ऐप पर खाता खुलवाया और प्रारंभिक निवेश पर कुछ लाभ दिखाकर विश्वास हासिल किया।

इसके बाद उसने उनसे तीन से पांच दिन के कांट्रेक्ट ट्रेडिंग के नाम पर अलग-अलग यूपीआई आईडी और बैंक खातों में बड़ी रकम जमा कराने को कहा। योगेश कुमार राघव के अनुसार जालसाजों ने उनसे कुल 11.77 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। पीड़ित के मुताबिक जालसाजों ने उन्हें ऑनलाइन मुनाफे की कमाई 40 हजार 702 यूएस डॉलर बताई।

उन्होंने यह रकम निकालने की कोशिश की तो जालसाजों ने प्रोसेसिंग फीस के नाम पर साढ़े छह लाख रुपये की मांग की और रकम न भेजने पर मुनाफा रोकने की धमकी दी। योगेश कुमार राघव का कहना है कि कृतिका शर्मा और अनिश व्हाट्सऐप पर लगातार दबाव बनाते रहे और ग्रुप में शामिल बाकी लोग भी झूठे आश्वासन देकर उन्हें फंसाने में शामिल थे।

पीड़ित ने आरोपियों के मोबाइल नंबर, यूपीआई आईडी और बैंक खातों का विवरण भी पुलिस को उपलब्ध कराकर कार्रवाई की मांग की। सीओ क्राइम भास्कर वर्मा का कहना है कि शिकायत के आधार पर 27 अक्तूबर को साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कर लिया गया है। जालसाजों को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है।

हिन्दू सुरक्षा सेवा संघ द्वारा स्वामी प्रसाद का पुतला फूंका

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा सनातन धर्म एवं लक्ष्मी पूजन पर की गई विवादित टिप्पणी से सनातनियों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

जिसके चलते आज हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के कार्यकर्ता नगीना मार्ग स्थित श्री रामलीला मैदान के समीप एकत्रित हुए और जोरदार प्रदर्शन करते हुए स्वामी प्रसाद मुर्दाबाद, भारत माता की जय, सनातन धर्म विरोधी होश मे आयो के जोरदार नारे लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। नगीना चौक पहुंचे जहाँ स्वामी पैसाद मौर्य का पुतला फूंका। इस दौरान मंडल अध्यक्ष उमेश चौहान ने पुतले पर लाठियां बरसाई। कार्यकर्ताओं ने जूते चप्पल से पुतले की पिटाई कर अपना क्रोध जाहिर किया। जिला महामंत्री टिंकू विश्वकर्मा ने बताया कि स्वामी प्रसाद मौर्य लगातार सनातन धर्म के देवी देवताओं के विरुद्ध अमर्यादित भाषा के साथ अभद्र टिप्पणी कर सनातनी समाज की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने का कार्य कर रहे हैं। जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाशत नहीं किया जाएगा।

गुलदार के हमले से बचाव को लेकर ब्लाक परिसर में बैठक आयोजित

हमलों में घायल लोगो ने की मुआवजा दिलाने की मांग

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

ब्लॉक परिसर में वन विभाग द्वारा गुलदार से बचाव के लिए आयोजित कार्यक्रम में पूर्व में गुलदार के हमले से घायल हुए लोगों ने 8 माह बाद भी मुआवजा नहीं मिलने पर मुआवजा दिलाए जाने की मांग उठाई।

प्राप्त समाचार के अनुसार ब्लॉक परिसर में वन विभाग द्वारा गुलदार से बचाव के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें गुलदार से बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए बताया कि जंगल में काम करते समय समूह में जाएं और बैठकर काम न करें।

बच्चों को जंगल में नहीं ले जाने की हिदायत दी गई। इस मौके पर ग्राम अमीनाबाद निवासी सुदेश कुमार ने डीएफओ को दिए प्रार्थना पत्र में कहा कि करीब आठ माह पूर्व जंगल में उसके पुत्र रोनित उर्फ रोहन पर गुलदार ने हमला कर घायल कर दिया था। उसके उपचार में उसका काफी धन खर्च हो गया और उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई। 8 माह बीत जाने के बाद भी उसे कोई मुआवजा नहीं मिला।

जनसुनवाई पर शिकायत में उसे बताया गया कि आपको मुआवजा दिलाने का प्रशताव पास हो चुका है, लेकिन मुआवजा बजट प्राप्त होने पर ही मिलेगा। सुदेश कुमार ने मुआवजा दिलाने की मांग उठाई। डीएफओ ने उसे शीघ्र मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है। इस मौके पर डीएफओ अभिराज सिंह, वन रेंजर शशांक गुप्ता के अलावा महेश गौतम, हरदेव सिंह, शुभम मलिक, राणा प्रताप सिंह, ब्लॉक प्रमुख राकेश चौधरी, बीडीओ प्रताप सिंह, शोभित त्यागी आदि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री का जीवन अति पिछड़ा समाज के लिए प्रेरणास्त्र : अशोक कटारिया

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

छटअति पिछड़े वर्ग कार्यक्रम का आयोजन शुभ मंगलम फार्म हाउस पर हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व परिवहन मंत्री एवं एमएलसी अशोक कटारिया ने अति पिछड़े समाज के लोगों को शिक्षित बनने पर जोर दिया और कहा की जो समाज शिक्षित और संगठित रहा है, वही विकसित हुआ है।

इसलिए हम सबको अतिशिक्षित अपने बच्चों को बनाना होगा। उन्होंने देश के आदरणीय प्रधानमंत्री के जीवन आदर्शों से प्रेरणा लेने की बात कहते हुआ कहा की देश के आदरणीय प्रधानमंत्री भी पिछड़े समाज से आते हैं। उनका सम्पूर्ण जीवन समाज कल्याण एवं देश हित के लिए समर्पित है उसी समाज से संघर्ष के बल पर निखर कर आज वह प्रधानमंत्री जैसे सर्वोच्च पद पर है। उनकी दूरगामी सोच एवं शुद्ध इच्छा शक्ति के फलस्वरुप आज हमारा देश पुरे विश्व में अपनी एक अलग पहचान बनाये हुए है।

संघर्ष कर समाज की तरक्की की जा सकती है। मूल मंत्रो द्वारा एमएलसी अशोक कटारिया ने अति पिछड़ा वर्ग का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए उनकेआदर्शों एवं उनके बताये मार्ग पर चलने का आवाहन किया।

राष्ट्रीय शूटिंग खिलाड़ी से छेड़छाड़ और मारपीट

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मोदीनगर नगर की एक कॉलोनी में प्रैक्टिस के लिए जा रही राईफल शूटिंग की राष्ट्रीय खिलाड़ी से बाइक सवार युवक ने छेड़छाड़ और मारपीट दी।

विरोध करने पर खिलाड़ी को जान से मारने की धमकी दी गई। हिम्मत दिखाते हुए युवती ने बाइक की चाबी निकाल ली। मामले में मोदीनगर थाने में तहरीर दी है। नगर की एक कॉलोनी निवासी युवती राईफल शूटिंग की राष्ट्रीय खिलाड़ी है।

वह राष्ट्रीय श्तर पर कई पदक जीत चुकी है। युवती नगर की फफराना रोड स्थित शूटिंग रेंज में सुबह के समय रोजाना प्रैक्टिस करने के लिए जाती है। मंगलवार सुबह 9:50 बजे प्रैक्ट्रिस करके वापस आ रही थी। जब वह बीच राश्ते पर पहुंची तो बाइक सवार युवक ने युवती का राश्ता रोक लिया। आरोप है कि युवक ने युवती का हाथ पकड़ लिया और छेड़छाड़ करने लगा। इसी बीच युवती ने हिम्मत दिखाते हुए अपना हाथ झटक लिया और युवक की बाइक की नम्बर प्लेट का फोटो खीच लिया। आरोप है कि युवक ने उसके साथ मारपीट भी की। युवती ने बाइक की चाबी निकाल ली और शोर मचा दिया। शोर सुन आसपास के लोगों को आता देखकर आरोपी मौके से फरार हो गया। सीओ मोदीनगर ज्ञानप्रकाश राय का कहना है कि जांच कराई जा रही है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

पब्लिक टॉयलेट के खुले गटर में गिरकर 9 साल के मासूम की मौत

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मुरादनगर थाना क्षेत्र की दरगाह में नगरपालिका की लापरवाही के कारण हुए हादसे में निर्माणाधीन शौचालय के खुले गटर में डूबने से एक नौ वर्षीय बच्चे की मौत हो गई।

बच्चे की मौत से गुस्साए उसके स्वजन और कॉलोनी के लोगों ने जमकर हंगामा किया और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की।

पुलिस ने बच्चे स्वजन को समझा बुझाकर शांत कराया। स्वजन की अनुमति से बच्चे का अंतिम संस्कार करा दिया गया है। घटना को लेकर बच्चे के स्वजन की ओर से कोई शिकायत नहीं की गई है।

दरगाह कॉलोनी में सोनू अपनी पत्नी प्रीति उर्फ सोनिका के साथ रहते हैं। सोनू मजदूरी करके अपने परिवार का पालन करते हैं। उनका नौ वर्षीय छोटा बेटा प्रिंस चौथी कक्षा में पढ़ता था। सोमवार रात को प्रिंस घर के सामने खेल रहा था।

बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश, 4 बाइक के साथ 3 गिरफ्तार

✷एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

बिसरख कोतवाली पुलिस ने मंगलवार को बाइक चोरी करने वाले एक सक्रिय

गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पकड़े गए आरोपियों के कब्जे व निशानदेही पर चार चोरी की बाइक और दो चाकू बरामद किए गए हैं। 28 अक्तूबर को पुलिस द्वारा लोकल इंटेलिजेंस व गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई है।

कोतवाली प्रभारी मनोज सिंह ने बताया कि आरोपियों को जेकेजी सोसाइटी की सर्विस रोड से गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की पहचान मुकुल गिरी निवासी बुलंदशहर, आकाश निवासी गाजियाबाद और अजीत निवासी फर्रुखाबाद के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान उन्होंने नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली क्षेत्र में कई बाइक चोरी करने की बात स्वीकार की है। आरोपियों की निशानदेही पर बरामद मोटरसाइकिलों में बाइकों में एक बिना नंबर की बाइक शामिल है।

इनमें से दो वाहन गाजियाबाद और दिल्ली के पंजीकृत चोरी मामलों से संबंधित पाए गए हैं। पुलिस ने मुकुल गिरी और आकाश के पास से एक-एक अवैध चाकू भी बरामद किया है।

आरोपी बाइकों को चोरी करने के बाद उन्हें सश्ते दाम में बेच देते थे। पकड़ गए आरोपियों के आपराधिक इतिहास के अलावा गिरोह में शामिल अन्य आरोपियों की भी तलाश की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

एपीके फाइल भेज खाते से सवा 8 लाख रुपए उड़ाए

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

साइबर अपराधियों ने गैस कनेक्शन बंद होने का डर दिखाकर नेहरू नगर में रहने वाले व्यक्ति से सवा आठ लाख रुपये ठग लिए। ठगों ने व्हॉट्सऐप पर एपीके फाइल भेजकर पीड़ित का मोबाइल हैक किया और बैंक खातों में सेंध लगाई।

साइबर थाना पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। नेहरू नगर ई-ब्लॉक में रहने वाले पराग गोयल का कहना है कि 26 सितंबर 2025 को उनके मोबाइल पर गैस कंपनी के नाम से संदेश आया।

उसमें पिछला बिल अपडेट न होने पर कनेक्शन काटने की चेतावनी दी गई। बिल अपडेट के लिए उनसे एक कथित अधिकारी से संपर्क करने को कहा गया।

अगले दिन उन्होंने फोन किया तो जालसाजों ने गैस बिल अपडेट करने के लिए उनके पास एक लिंक भेजा। पराग गोयल का कहना है कि लिंक को क्लिक करते ही उनके मोबाइल का नियंत्रण साइबर ठगों के हाथ में चला गया।

इसके बाद 27 सितंबर को उनके आईसीआईसीआई बैंक खाते से 4.23 लाख रुपये साफ कर दिए। यह रकम पांच ट्रांजेक्शन में खाते से निकाली गई।

पीड़ित का कहना है कि उनके द्वारा शिकायत दर्ज कराने और पासवर्ड बदलने के बाद भी 30 सितंबर को फिर से उनके खाते से 1.54 लाख रुपये निकाल लिए गए। इसके बाद नौ अक्तूबर को पता चला कि उनके बैंक ऑफ बड़ौदा के दूसरे खाते से भी दस ट्रांजेक्शन में 2.45 लाख रुपये साफ निकाल लिए गए, जबकि इस खाते में उन्होंने कभी यूपीआई या नेट बैंकिंग भी चालू नहीं कराई थी। इस तरह जालसाजों ने उनके खातों से 8.23 लाख रुपये साफ कर दिए।

ठगी के संबंध में पीड़ित ने साइबर थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। एसीपी क्राइम भास्कर वर्मा का कहना है कि शिकायत के आधार पर 27 अक्तूबर को केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

लोगों से अपील है कि किसी भी अनजान स्रोत से आई एपीके फाइल या लिंक को न खोलें तथा किसी भी बिल अपडेट के लिए केवल आधिकारिक वेबसाइट या ऐप का ही उपयोग करें।

करोड़ों की पुरानी करेंसी जब्त, गिनने के लिए मंगाई गई मशीन

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद। दिल्ली सीमा के नजदीक शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात पुलिस ने एक मकान पर छापा मारकर करोड़ों की पुरानी करेंसी जब्त की है। पुलिस ने आधिकारिक जानकारी देने से इनकार कर दिया है।

चर्चा है कि करेंसी गिनने के लिए मशीन भी मौके पर मंगाई गई। सूत्रों के मुताबिक करीब तीन करोड़ की करेंसी पकड़ी गई है और कुछ लोग हिरासत में लिए गए हैं। बताया जा रहा है कि पुलिस को मुखबिर से इसकी जानकारी मिली।

उत्तर रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थिति	**41-SRDEE-G-DLI-2025-26** दिल्ली मंडल के स्टेशनों पर 11 केवी एचटी स्थापना की मरम्मत, सर्विसिंग, ओवरहालिंग और सुदृढ़ीकरण के संबंध में विद्युत कार्य।
निविदा की अनुमानित लागत	रु० 13194034.00
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी, स्टेट एंट्री रोड़ नई दिल्ली
बयाना राशि	रू० 216000.00
निविदा निवेदन की अंतिम दिनांक व समय	19.11.2025, 16.00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक व समय	19.11.2025, 16.00 बजे
वेबसाइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियन्ता/जी, नई दिल्ली

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3338/25

सर्वसाधारण सूचना

परिषद की वसुन्धरा योजना गाजियाबाद के सेक्टर-17डी में स्थित भवन संख्या-17डी/710 श्री त्रिलोक कुमार सागर पुत्र स्व० श्री ओमप्रकाश सागर, निवासी-17डी/710, वसुन्धरा गाजियाबाद के पक्ष में प्रदेशन पत्र संख्या-17307 दिनांक 12.10.1999 यथा संशोधित पत्रांक-762 दिनांक 13.01.2000 द्वारा आवंटित है। आवंटन उपरान्त आवंटी ने उक्त भवन का किराया किश्त क्रय किरायेदारी अनुबन्ध निष्पादित कराकर दिनांक 09.02.2000 को खण्ड कार्यालय से भवन का भौतिक कब्जा प्राप्त कर लिया है। कब्जा उपरान्त आवंटी ने दिनांक 05.05.2000 को भवन का विक्रय विलेख अपने पक्ष में निष्पादित करा लिया है। विक्रय विलेख उपरान्त आवंटी ने भवन का विक्रय श्री कुन्दन लाल अरोड़ा पुत्र स्व० श्री दीनानाथ अरोडा व श्रीमती ऊषा अरोडा पत्नी श्री के०एल० अरोडा, निवासीगण वीरभद्रा ऋषिकेश, देहरादून, उत्तरांचल के पक्ष में संयुक्त रुप से दिनांक 16.04.2003 को कर दिया है। श्रीमती ऊषा अरोडा पत्नी श्री कुन्दन साल अरोडा, निवासी-17डी/710, वसुन्धरा गाजियाबाद ने अपने प्रार्थना पत्र दिनांक 28.08.2025 द्वारा कार्यालय को सूचित किया है कि उनके पति श्री कुन्दन लाल अरोडा का स्वर्गवास दिनांक 09.07.2024 को हो गया है। मृत्योपरान्त भवन का अन्तरण एकल रुप से अपने नाम परिषद अभिलेखों में कराना चाहती है, जिसके लिए श्रीमती ऊषा अरोडा पत्नी स्व० श्री कुन्दन लाल अरोडा द्वारा निम्न प्रपत्र कार्यालय में जमा किये गये है। स्व० श्री कुन्दन लाम अरोड़ा का प्रमाणित मृत्यु प्रमाण पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धकनामा, रु0-10.00 के स्टाम्प पेपर पर शपथ पत्र नोटरी द्वारा प्रमाणित कराकर, फोटो व हस्ताक्षर राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित कराकर समस्त प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत किये गये है।

अतः स्व० श्री कुन्दन लाल अरोडा पुत्र स्व० श्री दीनानाथ अरोडा की मृत्यु उपरान्त भवन का अन्तरण मृतक के पारिवारिक सदस्यों की सूची के आधार पर उक्त सम्पत्ति में श्रीमती ऊषा अरोड़ा पत्नी स्व० श्री कुन्दन लाल अरोड़ा का नाम एकल रूप से अन्तरित किये जाने में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो, सूचना प्रकाशन की दिनांक से 30 दिनों के अन्दर अपनी आपत्ति साक्ष्यों सहित सम्पत्ति प्रबन्ध कार्यालय, उ०प्र० आवास एवं विकास परिषद, सेक्टर-16ए, वसुन्धरा, गाजियाबाद में जमा करें, अन्यथा निर्धारित तिथि के बाद किसी व्यक्ति का कोई क्लेम मान्य नहीं होगा।

सम्पत्ति प्रबन्धक

सर्वसाधारण सूचना

परिषद की वसुन्धरा योजना गाजियाबाद के सेक्टर-2बी स्थित भवन संख्या-2बी/352 श्री इन्द्रपाल शर्मा पुत्र श्री गजराज शर्मा के पक्ष में प्रदेशन पत्र संख्या-4184 दिनांक 09.03.1998 द्वारा निर्गत किया गया है। आवंटी द्वारा भवन का कब्जा अनुबन्ध निष्पादित कराकर दिनांक 15.04.1998 को खण्ड कार्यालय से भौतिक कब्जा प्राप्त कर लिया गया है। आवंटी ने भवन का विक्रय विलेख दिनांक 19.08.2002 को निष्पादित करा लिया है। श्रीमती रानी शर्मा, श्री हिमांशु शर्मा एवं श्री हितेश कुमार शर्मा पत्नी/पुत्रगण स्व० श्री इन्द्रपाल शर्मा ने अपने संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त प्रार्थना पत्र दिनांक 22.09.2025 द्वारा कार्यालय में सूचित किया है कि उनके पति/पिता श्री इन्द्रपाल शर्मा का स्वर्गवास दिनांक 14.01.2023 को हो गया है। भवन का अन्तरण परिषद अभिलेखों में मृतक के वारिसान प्रमाण पत्र के आधार पर संयुक्त रुप से अपने नाम में कराना चाहते है, जिसके लिए उनके द्वारा निम्न प्रपत्र कार्यालय में जमा किये गये है। स्व० श्री इन्द्रपाल शर्मा का प्रमाणित मृत्यु प्रमाण पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धकनामा, रु0-10.00 के स्टाम्प पेपर पर नोटरी द्वारा प्रमाणित कराकर, फोटो व हस्ताक्षर राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित कराकर समस्त प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं।

अतः स्व० श्री इन्द्रपाल शर्मा पुत्र श्री गजराज शर्मा की मृत्यु उपरान्त भवन का अन्तरण मृतक के पारिवारिक सदस्यों की सूची के आधार पर उक्त सम्पत्ति में श्रीमती रानी शर्मा, श्री हिमांशु शर्मा एवं श्री हितेश कुमार शर्मा पत्नी/पुत्रगण स्व० श्री इन्द्रपाल शर्मा, निवासी-2 बी/352, वसुन्धरा गाजियाबाद का नाम संयुक्त रुप से अन्तरित किये जाने में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की दिनांक से 30 दिनों के अन्दर अपनी आपत्ति साक्ष्यों सहित सम्पत्ति प्रबन्ध कार्यालय, उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद, सेक्टर-16ए, वसुन्धरा, गाजियाबाद में जमा करें, अन्यथा निर्धारित तिथि के बाद किसी व्यक्ति का कोई क्लेम मान्य नहीं होगा।

सम्पत्ति प्रबन्धक

सर्वसाधारण सूचना

परिषद की वसुन्धरा योजना गाजियाबाद के सेक्टर-2 बी स्थित भवन संख्या-2बी/620 श्रीमती बलेश देवी पत्नी श्री श्रीपाल भाटी के पक्ष में प्रदेशन पत्र संख्या-6248 दिनांक 28.05.2003 यथा संशोधित पत्र संख्या-8108 दिनांक 26.06.2003 द्वारा निर्गत किया गया है। आवंटी ने भवन का विक्रय विलेख दिनांक 27.06.2003 को अपने पक्ष में निष्पादित कराकर दिनांक 26.08.2003 को भवन का भौतिक कब्जा खण्ड कार्यालय से प्राप्त कर लिया है। श्री श्रीपाल भाटी पुत्र श्री फुंदन सिंह, श्री कपिल भाटी व श्री रोहित भाटी पुत्रगण श्री श्रीपाल भाटी, निवासीगण 2बी/620, सैक्टर-2बी, वसुन्धरा गाजियाबाद ने अपने संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त प्रार्थना पत्र दिनांक 10.10.2025 द्वारा कार्यालय में सूचित किया है कि उनकी पत्नी/माताजी श्रीमती बलेश देवी पत्नी श्री श्रीपाल भाटी का स्वर्गवास दिनांक 16.03.2024 को हो गया है। भवन का अन्तरण परिषद अभिलेखों में मृतक के वारिसान प्रमाण पत्र के आधार पर संयुक्त रुप से अपने नाम में कराना चाहते है, जिसके लिए लाभार्थी द्वारा निम्न प्रपत्र कार्यालय में जमा किये गये है। स्व० श्रीमती बलेश देवी पत्नी श्री श्रीपाल भाटी का प्रमाणित मृत्यु प्रमाण पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धकनामा, रु0-10.00 के स्टाम्प पेपर पर नोटरी द्वारा प्रमाणित कराकर, फोटो व हस्ताक्षर राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित कराकर समस्त प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत किये गये है।

अतः स्व० श्रीमती बलेश देवी पत्नी श्री श्रीपाल भाटी की मृत्यु उपरान्त भवन का अन्तरण मृतक के पारिवारिक सदस्यों की सूची के आधार पर उक्त सम्पति से श्री श्रीपाल भाटी पुत्र श्री फुंदन सिंह, श्री कपिल भाटी व श्री रोहित भाटी पुत्रगण श्री श्रीपाल भाटी, निवासीगण 2बी/620, वसुन्धरा गाजियाबाद का नाम संयुक्त रुप से अन्तरित किये जाने में किसी व्यक्ति को कोई आपति हो तो सूचना प्रकाशन की दिनांक से 30 दिनों के अन्दर अपनी आपत्ति साक्ष्यों सहित सम्पति प्रबन्ध कार्यालय, उ०प्र० आयास एवं विकास परिषद, सेक्टर-16ए, वसुन्धरा, गाजियाबाद में जमा करे, अन्यथा निर्धारित तिथि के बाद किसी व्यक्ति का कोई क्लेम मान्य नहीं होगा।

सम्पत्ति प्रबन्धक

संपादकीय

सरकार की कमियों को उजागर करना विपक्ष का धर्म

सत्ता से लड़ने वाला ही सत्ता हासिल कर सकता है, जो जितना लड़ पाएगा वो उतना सत्ता के करीब बढ़ पाएगा। बेहतर कार्यों को नजरंदाज कर सरकार की कमियों को उजागर करना विपक्ष का धर्म है। मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश में दो विपक्षी खेमे है- एक सपा-कांग्रेस का इंडिया गठबंधन और दूसरी बहुजन समाज पार्टी। विपक्ष की इन दो ताकतों की आपसी प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है। किंतु जो विपक्षी खेमा दूसरे विपक्षी खेमे पर ज्यादा हमला करेगा और सत्ता पर अधिक हमलावर होने के बजाय तारीफ करेगा उस दल के बारे में सरकार विरोधी मतदाताओं की राय बहुत अच्छी तो नहीं होगी। और जो विपक्षी खेमा हुकूमत पर हमलावर होगा सरकार विरोधी वोटर एकजुट होकर उस विपक्षी दल के समर्थन में खड़ा होगा।

धर्म-जाति को किनारे रखकर देखिए तो चार तरह का वोटर नजर आता है। एक सत्ता को पसंद करता है और दूसरा सत्ता से नाखुश होता है, सत्ता के कार्यों से संतुष्ट नहीं होता। जो सत्ता के कार्यों से संतुष्ट है और उसे पसंद करता है वो वर्ग सत्तारूढ़ पार्टी को वोट देता है। जो सत्ता को पसंद नहीं करता वो वर्ग उस विपक्षी दल को चुनेगा जो सत्ता उखाड़ने में संघर्ष कर रहा हो और सत्ता के प्रति आक्रामक हो। तीसरा वोटर वर्ग वो है जिसने सत्तारूढ़ पार्टी पर विश्वास कर सत्ता बनवाई। लेकिन उसकी अपेक्षाएं पूरी नहीं हुईं, ऐसे वर्ग विकल्प ढूंढेगा।

चौथा वर्ग भी है जो सत्ता को बेहतर इसलिए समझता है क्योंकि उसे सत्ता की खामियों का ज्ञान नहीं है। ऐसे सत्ता समर्थक वोटरों की आंखें खोलकर अपने पाले में लाने के लिए भी विपक्षी दल सत्ता का कच्चा चिटठा खोलते हैं। बताते हैं कि मौजूदा सरकार ने जन अपेक्षाएं पूरी नहीं कीं। जन-विरोधी है सरकार। हुकूमत पर ऐसे हमले करने के लिए विपक्षियों में मुकाबला होता है। यही कारण है कि विपक्ष का मूल स्वभाव सत्ता की आलोचना करना और सत्ता की किसी भी खूबी को नजरंदाज करना है।

बीते 9 अक्टूबर को बसपा की रैली में पार्टी सुप्रीमो मायावती ने सत्ता से अधिक विपक्ष पर हमले किए। योगी सरकार की तारीफ की तब सवाल उठना लाजमी थे। बसपा भाजपा की बी टीम है! ऐसी तोहमतों के रंग गहराना भी स्वाभाविक था। बसपा सुप्रीमो मायावती द्वारा मैदान वापसी और खूब भीड़ वाली एक सफल रैली के बाद बसपाइयों और सपाइयों में नई जंग छिड़ गई। बी टीम की तोहमतों को आधार मिल गया। सपाई कह रहे हैं कि बहन जी ने मंच पर योगी आदित्यनाथ की सरकार की तारीफ करके अब तो भाजपा से अघोषित गठबंधन प्रकट कर दिया है। आरोप ये भी लग रहे हैं कि सरकारी मशीनरी ने मायावती की रैली में भीड़ जुटाई। भाजपा के सहयोग से बसों का इंतेजाम किया गया था। समाजवादी कह रहे हैं कि विपक्ष का काम सत्ता की कमियों को सामने लाना होता है, लेकिन बसपा सुप्रीमो तो सत्ता की तारीफ कर रही हैं और विपक्षी दल पर हमलावर हैं। वो स्पष्ट करें कि बसपा एनडीए की सहयोगी है या विपक्ष में है? इस तरह तारीफ तो भाजपा के सहयोगी संजय निषाद, अनुप्रिया पटेल और ओम प्रकाश राजभर भी नहीं करते।

सपा के ऐसे आरोपों के जवाब भी बसपाई खेमे से आने लगे हैं। कहां जा रहा है कि विपक्षी दल द्वारा सत्ता का आभार व्यक्त करना कोई गलत बात नहीं। बसपाई सत्तारूढ़ भाजपा से सपा के रिश्ते याद दिला रहे हैं। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव द्वारा संसद में नरेंद्र मोदी की जीत की शुभकामनाएं देनी की याद दिला रहे हैं। मुलायम परिवार से मोदी-योगी के व्यक्तिगत मधुर रिश्तों से लेकर मुलायम परिवार का हिस्सा बनी कल्याण सिंह की पार्टी की याद दिलाई जा रही है। ये सच है कि प्रतिद्वंद्वी होना, राजनीति प्रतिस्पर्धी या राजनीति में विरोधी होने का अर्थ ये कतई नहीं कि हम आपसी शिष्टाचार भी भूल जाएं। सपा संस्थापक मुलायम सिंह का संघ प्रमुख मोहन भागवत के करीब बैठना, मुलायम परिवार के विवाह समारोह में प्रधानमंत्री मोदी का जाना, मुलायम सिंह का कुशलक्षेम पूछने योगी आदित्यनाथ का जाना शिष्टाचार है।

इससे राजनीतिक प्रतिस्पर्धा या विरोध का कोई मतलब नहीं। इसी तरह बसपा सुप्रीमो मायावती का योगी सरकार का आभार व्यक्त करना भी गलत नहीं। लेकिन ये तय है कि यदि मायावती सत्तारूढ़ भाजपा से ज्यादा सपा-कांग्रेस पर आक्रमक होती रही तो बसपा की स्थिति और भी खराब होती रहेगी। और सपा-कांग्रेस भी सत्ता के बजाय बसपा पर ज्यादा हमले करती रहेगी तो ये इंडिया गठबंधन के लिए हानिकारक होगा। दलित समाज में कुछ ऐसे भी हैं जब उन्हें लगता है कि बसपा लड़ाई से बाहर और सत्ता में आने की संभावनाओं से काफी दूर है ऐसे लोगो ने भाजपा को विकल्प मान कर भाजपाई सरकार बनवाने में अपना बड़ा योगदान दिया। भाजपा के लिए सॉफ्ट और बसपा को पसंद करने वाला एक बड़ा वोटर वर्ग है। ये वर्ग मजबूरी में बसपा से इसलिए दूर हो गया था क्योंकि बसपा ने मैदान छोड़ दिया था। मायावती मैदान में वापस आ गई हैं इसलिए ये वोटर वर्ग बसपा में वापस होगा। बसपा के एक-एक वोटर में एक बात कामन रहेगी कि वो भाजपा के प्रति सॉफ्ट होगा।

मायावती द्वारा सपा के साथ कांग्रेस पर जबरदस्त हमलों से सपा का ये डर कम हो गया कि कांग्रेस उसका साथ छोड़ कर बसपा के साथ गठबंधन कर सकती है। योगी सरकार की तारीफ से ये तय हो गया कि अब सपा के मुस्लिम बल्कि वोट में अब बसपा आठ-दस फीसद वोट में भी सेंध नहीं लगा सकेगी। बसपा सुप्रीमो मायावती के दोबारा मैदान में आने से यदि दलित घर वापसी कर बसपा में वापस होता है तो इसका नुकसान सिर्फ सपा-कांग्रेस को ही नहीं भाजपा को भी खूब होगा। राजनीतिक पंडितों का कहना है कि आगामी 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में यदि त्रिकोणीय मुकाबला हुआ और दलित वोटों के सहारे बसपा पचास-पचपन सीटें भी ले आई और इंडिया गठबंधन और एनडीए को बहुमत नहीं मिल सका तो दोनों गठबंधनों में किसी एक को मायावती को मुख्यमंत्री बनाना होगा। बहन जी ऐसी राजनीतिक कार्ययोजना पर काम कर रही हैं।

भाजपा, कांग्रेस, राजद छोटे सहयोगियों को ज़्यादा सीटें देने को मजबूर

तीर्थंकर मित्रा

बिहार के मेहनतकश मजदूर देश के हर राज्य में अच्छी-खासी संख्या में पाए जाते हैं। इस चुनावी राज्य में बेरोजगारी की दर राष्ट्रीय औसत से ज़्यादा है। लेकिन आने वाले चुनावों के दावेदार इससे बेपरवाह नज़र आ रहे हैं। बिहार के युवाओं के पलायन को रोकने के बजाय, चुनाव लड़ रहे राजनीतिक दल चुनावी सफलता हासिल करने के लिए सोशल इंजीनियरिंग में लगे हुए हैं।

जाति व्यवस्था के प्रभुत्व को बिहार का अभिशाप बताया जाता रहा है, लेकिन अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के क्षेत्रीय सहयोगियों को सीटों का बड़ा हिस्सा मिल रहा है, ताकि जातिगत समीकरण न बिगड़ें। मतदान व्यवहार में जाति की निर्णायक भूमिका को अच्छी तरह समझते हुए, दोनों राष्ट्रीय स्तर की पार्टियों के नेतृत्व ने अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों को क्षेत्रीय सहयोगियों के लिए छोड़ दिया है।

कांग्रेस और भाजपा के बीच वंचित वर्गों के कम प्रतिनिधित्व, आरक्षण और संविधान को लेकर वाकयुद्ध छिड़ गया है। हाल ही में हुई घटनाएं भी यही कहानी बयां करती हैं।

बिहार के राजनीतिक पर्यवेक्षक इस घटनाक्रम से हैरान हैं। लेकिन वास्तविक राजनीति के उनके ज्ञान को देखते हुए, उनका आश्चर्य अल्पकालिक है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि दो चरणों वाले बिहार विधानसभा चुनाव में जाति का मुद्दा अन्य मुद्दों पर हावी है।

लेकिन पहली नज़र में ऐसा लगता है कि मुख्य चुनावी मुद्दा बेरोज़गारी और एक बड़े हिस्से का दूसरे राज्यों में पलायन, मुख्य चुनावी मुद्दा होना चाहिए था।

बिहार के मेहनतकश मजदूर देश के हर राज्य में अच्छी-खासी संख्या में पाए जाते हैं। इस चुनावी राज्य में बेरोजगारी की दर राष्ट्रीय औसत से ज़्यादा है। लेकिन आने वाले चुनावों के दावेदार इससे बेपरवाह नज़र आ रहे हैं। बिहार के युवाओं के पलायन को रोकने के बजाय, चुनाव लड़ रहे राजनीतिक दल चुनावी सफलता हासिल करने के लिए सोशल इंजीनियरिंग में लगे हुए हैं।

बिहार में हिंदू वोट पांच उप-विभाजनों में बंटे हैं: सामान्य वर्ग या उच्च जातियां, यादव और अन्य पिछड़ी जातियां, अत्यंत पिछड़ी जातियां (ईबीसी), दलित और जनजाति। कुल मतदाताओं में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या 17.7 प्रतिशत है।

दूसरी ओर, अति पिछड़ा वर्ग के मतदाता 36 प्रतिशत हैं। इसके बाद ओबीसी हैं, जिनकी हिंदू वोटों में 27.12 प्रतिशत हिस्सेदारी है। हिंदू वोटों में तीन प्रतिशत और हैं। सवर्णों की हिस्सेदारी 15.52 प्रतिशत, दलितों की 19 प्रतिशत और जनजाति की 1.68 प्रतिशत है।

भाजपा अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित 38 सीटों में से केवल 11 पर चुनाव लड़ रही है। जद(यू) अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित 15 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) आठ अनुसूचित जाति सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

यह बताना ज़रूरी है कि लोजपा (रामविलास) का मुख्य मतदाता वर्ग दलित हैं। हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (सेक्युलर) ने चार अनुसूचित जाति आरक्षित सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए हैं। अगर एनडीए को लगा कि जीत

का फॉर्मूला तैयार होने के बाद वह आराम से बैठ गया है, तो उसकी खुशी ज़्यादा देर तक नहीं टिकी। कांग्रेस ने 11 अनुसूचित जाति आरक्षित सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं।

राजद 20 अनुसूचित जाति आरक्षित सीटों पर चुनाव लड़ रही है। सीपीआई (एम-एल) छह सीटों पर और सीपीआई दो ऐसी सीटों पर चुनाव लड़ रही है। विकासशील इंसान पार्टी ऐसी एक सीट पर चुनाव लड़ रही है। इस प्रकार, अगले महीने होने वाले चुनावी मुकाबले से पहले दोनों विरोधी गठबंधन बराबरी की स्थिति में दिख रहे हैं।

2020 के चुनावों में महागठबंधन और एनडीए की सीटों के बंटवारे ने दोनों गठबंधनों के नेताओं को 2025 की चुनावी योजना बनाते समय सोच-विचार करने पर मजबूर कर दिया है। 38 एससी आरक्षित सीटों में से, 2020 के चुनावों में 21 एनडीए ने जीती थीं, जबकि 17 महागठबंधन के खाते में गईं।

भाजपा 15 एससी आरक्षित सीटों पर चुनाव लड़ी थी और नौ पर जीत हासिल की, उसके बाद जेडी(यू) ने 17 सीटों पर उम्मीदवार उतारे और आठ पर जीत हासिल की। हिंदुस्तान आवाम पार्टी पांच सीटों पर चुनाव लड़ी और तीन पर जीत हासिल की, जबकि विकासशील इंसान पार्टी ने एकमात्र सीट जीती जिस पर उसने चुनाव लड़ा था।

एनडीए में शामिल क्षेत्रीय दल 23 एससी आरक्षित सीटों पर चुनाव लड़े और उनमें से 12 पर जीत हासिल की। निष्पक्षता से कहें तो, इसने उन्हें 2025 के चुनावों में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटों के लिए प्रबल दावेदार बना दिया। महागठबंधन के सहयोगियों में से, राजद 19 अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटों पर चुनाव लड़ी और उनमें से नौ पर विजयी रही। कांग्रेस ने 13 में से चार सीटें जीतीं, उसके बाद भाकपा (माले) ने तीन अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटें जीतीं और भाकपा ने एक सीट जीती।

पिछले चुनाव में एनडीए गठबंधन में क्षेत्रीय दलों ने सीटों की संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। जहां तक महागठबंधन की बात है, क्षेत्रीय दलों के चुनावी प्रदर्शन ने सुनिश्चित किया कि अगले चुनावों में उनके दावों को नज़रअंदाज़ नहीं किया जाएगा।

2020 में, 38 अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों में से, जदयू ने 11 सीटों पर बढ़त बनाई थी। इसके बाद भाजपा और लोजपा (रालोद) ने छह-छह सीटों पर बढ़त बनाई थी।

महागठबंधन में, कांग्रेस केवल दो सीटों पर आगे रही। राजद ने सात अनुसूचित जाति विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त बनाई, जबकि भाकपा (माले) और वीआईपी ने एक-एक सीट पर, और निर्दलीय दो अनुसूचित जाति क्षेत्रों में आगे रहे। क्षेत्रीय दलों, खासकर जिनके मूल वोट बैंक अति पिछड़े वर्ग के मतदाता हैं, ने अपनी 'जातिगत ताकतों का प्रदर्शन किया है।

राष्ट्रीय मुद्दों के चैंपियन, भाजपा और कांग्रेस, जो खुद को राष्ट्रीय मुद्दों का चैंपियन बताते हैं, बिहार में उनके लिए जीत का सेहरा बांधने में नाकाम रहे हैं।

इसलिए, गठबंधन सहयोगियों के प्रति उदारता दिखायी दी, क्योंकि न तो कांग्रेस और न ही भाजपा अब घमंडी घोड़े पर सवार होने का जोखिम उठा सकते हैं। जातिगत समीकरणों ने कभी छोटे खिलाड़ी रहे क्षेत्रीय सहयोगियों को भी सत्ता की धुरी के पास ला दिया है। दोनों गठबंधन सहयोगियों का उच्च मंच पर स्वागत किया गया है, जहां उन्हें पहले टुकड़े-टुकड़े और बचा-खुचा खाना दिया जाता था।

अमित शाह का मिशन जय -विजय, नीतीश और महागठबंधन

कुमार कृष्णन

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का सपना अगले पाँच दशकों तक पंचायत से लेकर संसद तक भारतीय जनता पार्टी को सत्ता में देखना है। नरेंद्र मोदी के पहले कार्यकाल में भाजपा अध्यक्ष के रूप में, शाह ने पार्टी कार्यकर्ताओं से बार-बार इस दीर्घकालिक दृष्टिकोण के लिए खुद को समर्पित करने का आग्रह किया था।

बिहार का उस सपने में एक विशेष स्थान है। शाह 2015 में उनके नेतृत्व में राज्य में भाजपा को मिले उस झटके को नहीं भूले हैं, जब समाजवादी दिग्गज लालू प्रसाद और नीतीश कुमार ने भाजपा की सत्ता की कोशिश को विफल करने के लिए हाथ मिलाया था। उनके करीबी लोगों के अनुसार, बिहार से ज़्यादा, कुमार का विश्वासघात-भाजपा को छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल के साथ गठबंधन करने का उनका फैसला-शाह को खटक रहा है। नीतीश कुमार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में वापस आ गए हैं, लेकिन भाजपा के एकछत्र शासन की उनकी आकांक्षा अभी भी अधूरी है। बिहार में एक और चुनाव होने जा रहा है, शाह अपने सपने को हकीकत में बदलने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते।

वह न केवल बंद दरवाजों के पीछे रणनीति बना रहे हैं, बल्कि चुनाव प्रचार में भी आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं। जहां मोदी ने शुक्रवार को दो रैलियों के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, वहीं शाह ने भी उनकी गति से कदमताल मिलाते हुए उसी दिन दो रैलियां तथा शनिवार को बिना रूके दो रैलियां खगड़िया और मुंगेर में कीं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को मुंगेर व खगड़िया की धरती पर पांच वर्ष बाद उनका यह दौरा राजनीतिक दृष्टि से बेहद अहम माना था। इससे पूर्व 2020 के विधानसभा चुनाव में वे मुंगेर आए थे। इस बार नौवागढ़ी में आयोजित जनसभा के माध्यम से वे न सिर्फ मुंगेर, बल्कि आसपास के जिलों खगड़िया, बांका, लखीसराय और जमुई के एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में वोट की अपील की।

इससे पहले खगड़िया में खगड़िया मुख्यालय (संसारपुर मैदान) की सभा रद्द होने से तेजस्वी यादव भड़क उठे।

इसे तानाशाही रवैया करार दिया। तेजस्वी ने आरोप लगाया, भाजपा और प्रशासन को जनता की भीड़ से डर लग रहा है। लेकिन जनता अब किसी के दबाव में आने वाली नहीं है। जनता का मूड भांपना कठिन है। मुंगेर में मंच पर पहुंचने के बाद अमित शाह ने देखा कि दर्शक दीर्घा में कुर्सियां खाली हैं। स्वागत समारोह के दौरान, भीड़ कम होने पर उन्होंने मंच संचालन कर रहीं अंजू भारद्वाज को इशारा किया और प्रदेश अध्यक्ष से संबोधन शुरू करने को कहा। इसी बीच, गृह मंत्री अपनी कुर्सी से उठकर खड़े हो गए और मंच से ही सुरक्षा में लगे पुलिस जवानों को निर्देश दिया कि वे चेकिंग हटा दें और लोगों को बिना जांच के कार्यक्रम स्थल पर आने दें। अमित शाह जंगल राज का हवाला देते रहे है।

वहीं दूसरी ओर महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने सत्तारूढ़ एनडीए के साथ चुनावी जंग शुरू कर दी, जिसकी सरकार ने बिहार विधानसभा चुनावों के दौरान कई मुफ्त योजनाओं की घोषणा की थी। वहीं महागठबंधन के मुख्यमंत्री चेहरे के रूप में घोषित तेजस्वी यादव ने राजद नेता तेजस्वी यादव ने दावा किया कि बिहार में सत्तारूढ़ राजग खत्म होने की राह पर है और महागठबंधन के नेतृत्व वाली राज्य की नई सरकार केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा लाए गए वक्फ अधिनियम को कूड़ेदान में डाल देगी।

यह कहकर मुस्लिम मतदाताओं की ओर जहां पासा फेंका, वहीं उन्होंने सत्ता में आने पर पंचायत प्रतिनिधियों के भत्ते दोगुने करने और उन्हें पेंशन देने का वादा किया। उन्होंने बढ़ई, कुम्हार और नाइयों को 5 लाख रुपये का ब्याज मुक्त व्यावसायिक ऋण देने का वादा किया। तेजस्वी, ने पहले हर परिवार से कम से कम एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने और संविदा कर्मचारियों को स्थायी रोजगार देने का वादा किया था, ने अपने व्यापक कल्याणकारी एजेंडे के वित्तीय रोडमैप का ब्यौरा देने से परहेज किया। जब उनसे पूछा गया कि नकदी की तंगी की स्थिति में वे धन का प्रबंध कैसे करेंगे, तो उन्होंने कहा, हमने वैज्ञानिक अध्ययन किया है और यह किया जा सकता है। तेजस्वी अपने वादे पूरे करते हैं।

तेजस्वी ने पटना में मीडिया से कहा, महागठबंधन की सरकार बनने पर हम बिहार की त्रिशतरीय पंचायती राज व्यवस्था और ग्रामकचहरी के प्रतिनिधियों का मानदेय दोगुना कर देंगे। पंचायतों और ग्राम कचहरियों के प्रतिनिधि पेंशन की मांग कर रहे हैं। हमने तय किया है कि उन्हें पेंशन मिलेगी और साथ ही 50 लाख रुपये का बीमा कवरेज भी मिलेगा।

तेजस्वी के बड़े-बड़े वादे नीतीश कुमार सरकार की नवीनतम घोषणाओं से आगे निकलने की उनकी उत्सुकता को दर्शाते हैं। विधवाओं और विकलांगों के लिए पेंशन 400 रुपये से बढ़ाकर 1, 100 रुपये प्रति माह करने के अलावा, नीतीश ने ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 1 करोड़ से अधिक महिलाओं के बैंक खातों में 10, 000 रुपये की नकद राशि हश्तांतरित की है।

जून में, राज्य सरकार ने बिहार की 8, 053 ग्राम पंचायतों, 533 पंचायत समितियों और 38 जिला परिषदों के प्रतिनिधियों के भत्ते और अन्य लाभ बढ़ा दिए। नीतीश ने जिला परिषद अध्यक्षों का मासिक भत्ता ₹ 20, 000 से बढ़ाकर ₹ 30, 000 कर दिया है, उपाध्यक्षों का मासिक भत्ता ₹ 10, 000 से बढ़ाकर ₹ 20, 000 कर दिया है। मुखियाओं (पंचायत प्रमुखों) का मासिक भत्ता ₹ 5, 000 से बढ़ाकर ₹ 7, 500 कर दिया गया है। तेजस्वी का बढ़ई, कुम्हार और नाई जैसे कारीगरों को 5 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण देने का वादा, अति पिछड़े वर्गों तक पहुंच बनाने का प्रयास प्रतीत होता है।

तेजस्वी ने कहा, बिहार बदलाव के लिए तरस रहा है; लोग वर्तमान सरकार से तंग आ चुके हैं। रराजनीतिक गलियारे में बिहार से ज़्यादा, कुमार का विश्वासघात-भाजपा को छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल के साथ गठबंधन करने का उनका फैसला-शाह को खटक रहा है। इसलिए गृह मंत्री अमित शाह कहते हैं, ''मैं यह तय करने वाला नहीं हूं कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बनेंगे या नहीं।

फिलहाल हम उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव के बाद सभी सहयोगी दल बैठकर अपने नेता का चयन करेंगे। "अमित शाह ने यह कहकर अटकलें बढ़ा दीं कि भाजपा का संसदीय बोर्ड इस पर फैसला लेगा। तब से ही नीतीश कुमार के भविष्य को लेकर विपक्ष सवाल उठा रहा है। यह सवाल भी किया जा रहा है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने एकनाथ शिंदे के चेहरे पर चुनाव लड़ने की बात कही थी। फिर जीत गए तो मुख्यमंत्री अपना बना लिया।

नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू केंद्र में भी एनडीए के साथ है और सरकार में शामिल है। भाजपा का अपने दम पर बहुमत नहीं है और जेडीयू के 12 सांसद हैं। इस बार बिहार में भाजपा और जदयू बराबर सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। जबकि 2020 में जदयू को चुनाव लड़ने के लिए ज्यादा सीटें दी गई थीं।

हालांकि, तब भी जदयू भाजपा के मुकाबले कम सीटों पर ही जीती थी। कम सीटों पर जीतने के बाद भी बीजेपी ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया। भाजपा मुख्यमंत्री उम्मीदवार को लेकर आधिकारिक तौर पर स्थिति एकदम साफ नहीं कर रही है तो इसके पीछे की वजहों पर भी चर्चा होने लगी है।

नीतीश कुमार, जिन्हें बहुत लोग राजनीति का "चाणक्य" कहते हैं, जानते हैं कि मुश्किल समय में भी कैसे खुद को मजबूत और अहम बनाए रखना है। राज्य में शराब बंद करने के फैसले पर कई बार आलोचना हुई, लेकिन उन्होंने कई बार कहा, "शराब बंदी पर मैं झुकने वाला नहीं हूँ." यह दिखाता है कि वे अपने फैसलों में बहुत सख्त और अडिग रहते हैं। दूसरी तरफ, वे काफी लचीले भी रहे हैं।

2024 में एनडीए में लौटने के बाद, नीतीश ने वादा किया कि अब वे फिर से पार्टी नहीं बदलेंगे, जबकि पिछले 15 सालों में वे इसे अक्सर करते रहे हैं। इन टूट-फूट और मेल-मिलाप के बावजूद, नीतीश कुमार फिर से सत्तारूढ़ गठबंधन का मुख्य चेहरा बने हुए हैं। अब भी बने रहेंगे इसका फैसला बिहार के लोगों के हाथ में है। उनका वोट ही इस भ्रम को साफ़ करेगा, जब 14 नवंबर को चुनाव के नतीजे घोषित होंगे।

भारत के विदेश नीति की नींव मजबूत

अमित सोमवंशी

स्वतंत्र भारत के विदेश नीति के जनक पण्डित जवाहर लाल नेहरू ने गुटनिरपेक्षता को भारतीय विदेश नीति के एक मजबूत श्तम्भ के रूप में स्थापित किया। तत्कालीन गुटनिरपेक्षता को दोनो ध्रुवों से समान दूरी के रूप में व्याख्यायित किया गया जबकि कालांतर में गुटनिरपेक्षता से तात्पर्य भारतीय हितों की रक्षा के लिए दोनो ध्रुवों से समान नजदीकी में हैं।

तत्कालीन नव स्वतंत्र भारत के पास दोनो ध्रुवों में बटे विश्व में तीसरे विश्व के नेता के रूप में स्थापित होने का सुनहरा अवसर था और इस अवसर में भारत को स्थापित करने में गुटनिरपेक्षताश ने मजबूत श्तंम्भ का कार्य किया। गुटनिरपेक्षता की इस नीति के प्रारंभिक दिनों में ही भारत के विदेश नीति की नींव को मजबूत करने में रूस (तत्कालीन सोवियत रूस) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारत-रूस (तत्कालीन सोवियत रूस) संबंधों की शुरूआत स्वतंत्रता के तुरंत बाद पण्डित विजय लक्ष्मी को प्रथम भारतीय राजदूत बनाकर रूस भेजने से किया गया। पण्डित विजय लक्ष्मी को नियुक्ति ही रूस के साथ संबंधों की महत्व को बयान करने के लिए काफी है।

हालांकि स्टालिन के प्रारंभिक तल्खी के पश्चात डा. सर्वपल्ली राधा कृष्णन के राजदूत नियुक्त होने पर 1949 में सोवियत संघ से औपचारिक राजनयिक संबंध स्थापित हुआ। सोवियत संघ ने गुटनिरपेक्ष नीति को समर्थन दिया और भारत की स्वयत्त विदेश नीति की सराहना की।

1950 के दशक में भारत की मिश्रित अर्थव्यवस्था में सोवियत संघ की प्रेरणा व सहयोग से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रावधान किया गया। सोवियत संघ ने भारी उद्योग, विज्ञान, उर्जा तकनीकी क्षेत्रों में सहायता प्रदान की। 1955 में स्थापित भिलाई इस्पात संयंत्र इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है।

सोवियत संघ ने रक्षा सहयोग, तकनीकी शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान और अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की मदद की। 1955 में सोवियत नेता निकिता और बुल्गानिक ने भारत का दौरा किया तथा इसी वर्ष नेहरू ने भी सोवियत संघ की यात्रा की। यह दोनो देशों के बीच विश्वास और सहयोग की भावना को मजबूत किया।

वैश्विक मंचो पर कश्मीर मुद्दे को लेकर कई बार सोवियत संघ ने संयुक्त राष्ट्र में भारत का समर्थन किया जबकि भारत ने भी कई मौको पर पश्चिमी दबाव के बावजूद सोवियत संघ की नीतियों के विरोध में मतदान नहीं किया, इस प्रकार गुटनिरपेक्ष होते हुए भी दोनो देशों के बीच सामंजस्य बना रहा। सोवियत संघ संकट के दौर में भारत के साथ समर्पण भाव में खड़ा रहा।

1962 के भारत-चीन यूद्ध के दौरान भारत को कुटनीतिक समर्थन किया तथा

हथियारों की आपूर्ति की। सोवियत संघ ने 21 जैसा लड़ाई विमान दिया तथा भारत के सैन्य अधिकारीयों को प्रशिक्षित किया।

ऐसे ही 1965 के भारत-पाक युद्ध के बाद सोवियत संघ ने ताशकंद समझौते में (1966) में मध्यस्थ की भूमिका निभाई। 1971 में भारत और सोवियत संघ के बीच श्भारत-सोवियत मैत्री संधि पर हश्ताक्षर हुए। यह संधि 20 वर्षो के लिए थी और इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना था।

भारी उद्योग, इस्पात संयंत्र, बिजली परियोजनाएं, तेल रिफाइनरी और मशीन निर्माण जैसे क्षेत्रों में सोवियत तकनीक और सहायता से भारत ने कई कारखानों की स्थापना की, भिलाई स्टील प्लांट, राउरकेला और बोकारो स्टील प्लांट जैसे प्रतिष्ठान सोवियत सहायता से स्थपित किए गए।

सोवियत संघ ने भारत को मिग-21 लड़ाकू विमान तकनीक ट्रांसफर के साथ दी, जो भारत में एचएएल द्वारा बनाए गए। भारत को टी-55 और टी-72 टैंक, सुखोई विमान, सतह आईएनएस विराट जैसे एयरक्राफ्ट कैरियरों के संचालन के लिए तकनीकी मदद दी गई। भारत ने सोवियत संघ से मिग-23, मिग-27 और मिग-29 जैसे उन्नत लड़ाकू विमान प्राप्त किए।

पनडृब्बी संचालन और नौसेना क्षमताओं में सोवियत तकनीक और प्रशिक्षण का बड़ा यागदान रहा। आर्थिक, सामरिक व व्यापारिक सहयोग का यह मजबूत रिश्ता सांस्कृतिक सहयोग में भी नए आयाम तक पहुचा। भारतीय फिल्में भी सोवियत संघ में काफी लोकप्रिय हुई- जैसे आवारा और श्री 420। साहित्य, शिक्षा और भाषा के क्षेत्र में भी सहयोग हुआ-कई विविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाने लगी और रूसी भाषा भारत में लोकप्रिय हुई।

शीतयोद्धत्तर विश्व में सोवियत संघ विघटन (1991) के बाद भारत को अपने पुराने रणनीतिक साझेदार की जगह नए रूस के साथ संबंधों की फिर से परिभाषित करना पड़ा। 1991 में दोश्ताना संबंधों और सहयोग की संधि पर हश्ताक्षर हुए। यह संधि द्विपक्षीय सहयोग का नया आधार बनी।

भारत ने रूस को सबसे पसंदीदा राष्ट्र का दर्जा दिया। 2000 में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के दौरान श्रणनीतिक साझेदारी की घोषणा हुई।

भारत ने रूस से सुखोई-30, मिग-29, टी-90 टैंक और ब्रह्मोस मिसाईल प्रणाली प्राप्त की। रूस ने भारत में कई रिएक्टर बनाने में मदद की, कुडनकुलम परमाणु संयंत्र रूस की मदद से बना। भारत ने रूस में तेल और गैस परियोजनाओं में निवेश किया (जैसे कि सखालिन-1 प्रोजेक्ट)।

2010 में द्विपक्षीय संबंधों को विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया। वर्ष 2014 के बाद देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच व्यक्तिगत मित्रवत संबंधों ने द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत किया है। दोनों नेता नियमित रूप से द्विपक्षीय वार्ताएं, शिखर सम्मेलन और ब्रिक्स, एससीओ जैसे मंचों पर मिलते रहे है।

रूस ने भारत को एस-400 मिसाईल रक्षा प्रणाली देने का समझौता किया, जिससे पश्चिमी देशों विशेषकर अमेरिका की नाराजगी भी हुई। एस-400 मिसाईल रक्षा प्रणाली की डील 2018 में की गई थी, जिसकी डिलीवरी 2021 में शुरू हुई।

यह डील भारत की स्वतंत्र विदेश नीति का संकेत भी है, क्योंकि अमेरिका के प्रतिबंधों के बावजूद यह समझौता हुआ। भारत ने मेक इन इंडिया के तहत रूस के साथ संयुक्त रूप से हथियारों को निर्माण पर बल दिया है- जैसे कि एके-203 राइफल। ब्रह्मस मिसाईल, सुखोई-30 एमकेआई और टी-90 टैंकों जैसे संयुक्त रक्षा कार्यक्रम पहले से चलते आ रहे हैं, और इन्हें और बढ़ाया गया है।

संयुक्त सैन्य अभ्यास (जैसे इंद्र अभ्यास) नियमित रूप से होते रहे। दोनो देशों ने 2025 तक 30 बिलियन डॉलर द्विपक्षीय व्यपार और 50 बिलियन डॉलर निवेश का लक्ष्य रखा है। रूपया-रूबल व्यपार (डॉलर के बिना व्यपार) को लेकर बात-चीत हो रही है, खासकर यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण।

भारत और रूस ने ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम में भी भागीदारी की और भारत ने रूस के सुदूर पूर्व में निवेश की प्रतिबद्धता जताई, एक लाईन ऑफ क्रेडिट (1 बिलियन डॉलर) देने की घोषणा की थी।

भारत और रूस ब्रिक्स, एससीओ और जी20 जैसे मंचों पर सहयोग करते रहे है। रूस ने भारत के यूएनएस का स्थायी सदस्य बनने के प्रयासों का समर्थन किया है। हालांकि भारत-रूस के संबधों में कुछ बहुत प्रभावशाली चुनौतियॉ भी है जो कि समय समय पर समस्याए उत्पन्न करती है।

भविष्य में भी यह साझेदारी आपसी हितों, विश्वास और सहयोग पर आाधारित रहकर और आर्थिक सम्पन्नता की ओर अनबरत रूप से बढ़ते रहने की संभावना रखती है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

भगवान राम के जन्मोत्सव से चारों दिशाओं में फैली खुशी की लहर: चेतन्य महाराज

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। महामंडलेश्वर स्वामी पूर्णानंद पुरी महाराज के सानिध्य में चल रही राम कथा में राम जन्मोत्सव मनाया गया। राधाकृष्ण गौर गोपेश्वर गौसेवा संस्थान के तत्त्वाधान मे सासनी गेट त्यागी हॉस्पिटल स्थित मधुवन गेस्ट हाउस में राम कथा के चतुर्थ दिवस की कथा मे व्यास विश्व चैतन्य महाराज ने शिव पार्वती प्रसंग, व माता पार्वती का भोले नाथ से राम कथा श्रवण की लालसा, नारद का भगवान विष्णू से हरि रूप का मांगना, विश्वमोहिनी स्वयंवर, नारद का हरि को श्राप देना, इसके पश्चात नारद का मोह भंग साथ साथ देवताओं का विष्णु से राम के रूप में जन्म की प्रार्थना, राम जन्मोत्सव कथा व बधाई उत्सव मधुर मधुर भजनओ,आरती के साथ कथा का विश्राम किया जिसमे डीडी शर्मा , प्रभा शर्मा,विनोद उपाध्याय, एच आर गांधी, कुशल वार्ष्णेय,सोनू गोस्वामी, मनोज शर्मा, दीपक शर्मा, रोहित शर्मा, मोहित,आकाश सक्सेना, अंकुश, केशव, टीटू वर्मा बॉबी शर्मा, गीता माता आदि मौजूद रहे।

ट्रांसफार्मर से उपकरण निकाल ले गए चोर

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। थाना अकराबाद क्षेत्र में गांव सिहौर स्थित रडार के पास से अज्ञात चोर एक किसान के खेत में लगे विद्युत ट्रांसफार्मर से उपकरण चोरी कर ले गए। पीड़ति किसान ने घटना की तहरीर पुलिस को दी है। गांव फरीदपुर निवासी किसान वकील अहमद ने थाने में दी तहरीर में पुलिस को बताया है कि वह फसल में पानी लगा कर खेत से घर चले गए। इसी बीच रात में किसी समय अज्ञात चोर खेत में नलकूप के पास लगे ट्रांसफार्मर से तामें का तार सहित अन्य उपकरण निकाल कर चोरी कर ले गए। सुबह जब वह खेत पर पहुंचे तो देखा कि ट्रांसफार्मर का खाली खोखा जमीन पर पड़ा हुआ था। घटना के संबंध में थाना पुलिस का कहना है कि पीड़ित किसान की तहरीर पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

40 किसानों को निशुल्क बांटा सरसों का बीज

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। ब्लॉक अकराबाद के खंड विकास अधिकारी कार्यालय परिसर में मंगलवार को कृषि विभाग की ओर से ब्लाक प्रमुख ठाकुर राहुल सिंह की अध्यक्षता में किसानों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान ब्लाक प्रमुख राहुल सिंह के साथ मौजूद कृषि एवं खंड विकास के अधिकारियों ने सरकार की योजनाओं के तहत किसानों मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारियां दीं गईं। तथा बैठक में मौजूद 40 किसानों को दो दो किलो सरसों के बीच की मिनी किट निशुल्क वितरण किए गए हैं। इस अवसर पर कृषि विभाग के एडीओ वीरेंद्र सिंह, एडीओ आईएसबी टीपी सिंह, बीज गोदाम प्रभारी राधेश्याम सिंह, केशव कुमार सहित आदि मौजूद रहे।

आयुक्त कार्यालय में आयोजित होगी पेंशन अदालत

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। मण्डलायुक्त संगीता सिंह द्वारा पेंशनरों एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं के त्वरित निश्तारण के उद्देश्य से पेंशन अदालत का आयोजन 11 नवम्बर 2025 को अपरान्ह 3 बजे से कमिश्नरी सभागार में किया जाएगा। अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन, आगरा मण्डल, आगरा महिमा चन्द से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिन पेंशनर या सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन संबंधी प्रकरण लंबित हैं, वे निर्धारित प्रारूप पर अपना आवेदन 05 नवम्बर 2025 तक कार्यालय-अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन, आगरा मण्डल, आगरा (जिलाधिकारी प्रांगण, एम.जी. रोड, आगरा) में दश्ती रूप से या पंजीकृत डाक द्वारा प्रश्तुत कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन पत्र का प्रारूप मुख्य या वरिष्ठ कोषाधिकारी, अलीगढ़, एटा, हाथरस, कासगंज अथवा अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन, आगरा मण्डल, आगरा के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

बारिश की फुहार के बीच दिया उगते हुए सूर्य को अर्घ्य

छठ महापर्व का हुआ समापन

गोरखपुर, एजेंसी। छठ महापर्व के अंतिम दिन मंगलवार को छठ व्रती महिलाओं ने बड़े ही आस्था भाव के साथ छठ माता की पूजा अर्चना की। भोर से ही छठ घाट पर श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। मंगल गीतों के साथ पूरा परिसर भक्ति से सराबोर रहा।

आधी रात में से ही श्रद्धालुओं ने उठकर स्नान आदि किया। उसके बाद सिर पर डाला रखकर हाथ में कलश लिए माताएं- बहने मंगल गीत गाते हुए छठ घाट पहुंची। घाट पर छठ माता की विधिपूर्वक पूजा अर्चना करने के बाद सूर्य के उदय होने का इंतजार किया।

घाट पर बज रहे भक्ति गाने छठ माता के गुणगान से लोग आस्था में लीन रहे। इसी बीच सूर्योदय से पहले हल्की बारिश शुरू हुई, लेकिन इसमें भी लोगों की आस्था काम नहीं हुई। बारिश की बौछारों के बीच व्रती महिलाएं अर्घ्य देने का इंतजार करते हुए खड़ी रहीं।

लगभग छह बजे के बाद अलग-अलग जगहों पर व्रती महिलाओं ने छठ माता को अर्घ्य देकर अपने घर के लिए रवाना हो गए। शहर के सूर्यकुंड धाम, गोरखनाथ मंदिर के भीम सरोवर,राप्ती तट के गुरु गोरखनाथ घाट और रामघाट, मानसरोवर, रामगढ़ ताल सहित शहर के लगभग 400 स्थान पर छठ पर्व धूमधाम से मनाया गया।

महापर्व छठः लोक परंपरा और श्रद्धा का संगम बने पूर्वांचल के घाट, सूर्य को अर्घ्य देकर सुख की कामना

वाराणसी , एजेंसी। हे छठी मईया भूल चूक माफ करिहअ हमार के साथ छठ व्रतियों ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठ पर्व का समापन कीं। महापर्व डाला छठ के चौथे दिन मंगलवार को जिले के 157 घाटों (गंगा घाट, तालाब और पोखरा किनारे) उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के लिए जन सैलाब उमड़ा।

भोर तीन बजे ही व्रती महिलाएं घाट पर पहुंच गईं। वे वेदी के सामने घुटने भर पानी में खड़ी होकर छठी मइया की आराधना में डूब गईं। उग हे सुरुजदेव... भइल अरघ के बेर गीत गुनगुनाती रहीं। बादलों के चलते सूर्य के दर्शन तो नहीं हुए करीब तीन घंटे की प्रतीक्षा के बाद महिलाओं ने शुभ मुहूर्त में सुबह 6-25 बजेव्रती महिलाओं ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित की। इसी के साथ व्रतियों ने 36 घंटे के व्रत का पारण किया। इस दौरान शंख शहनाई की ध्वनि और छठी मइया के जयकारे से तट गूंज उठा।

नगर के कचहरी घाट, बरियाघाट, पक्काघाट, नारघाट, संकठाघाट, फतहांघाट पर आधी रात को ही व्रती महिलाएं अपनी बेदी के पास के पहुंच गई थीं। रात दो बजे से लोगों के घाट पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। सड़कों पर आगे-आगे व्रती महिलाएं सूप में अखंड दीप लेकर चल रही थीं। पीछे-पीछे सिर पर प्रसाद का दउरा रखकर उनके परिजन चल रहे थे।

आस्था, संयम और श्रद्धा का प्रतीक चार दिवसीय छठ महापर्व मंगलवार की भोर में उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हो गया। सुबह सूर्योदय से पहले ही शहर के गंगा घाटों पर व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ पड़ी थी। काले बादलों के बीच जैसे ही भगवान भास्कर की लाल रश्मियां गंगा की लहरों पर पड़ीं, वैसे ही घाटों पर छठ मइया के जय और सूर्य देव की जय के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा।

बिना ऑपरेशन कबाड़ हुई 82 लाख की मॉड्यूलर ओटी

इंजीनियरों ने निष्प्रयोज्य घोषित किया-अब सवा करोड़ लगेंगे

कानपुर , एजेंसी। कानपुर के उर्सला अस्पताल में 82 लाख रुपये से बनाई गई मॉड्यूलर ओटी बिना किसी ऑपरेशन के कबाड़ हो गई। यह 2009-10 में बनाई गई थी। निदेशक डॉ. एचडी अग्रवाल ने इंजीनियरों से निरीक्षण कराया तो उन्होंने निष्प्रोज्य घोषित कर दिया। उनका कहना है कि इसका जीर्णोद्धार भी नहीं हो सकता है। तकनीकी विशेषज्ञों का कहना है कि वर्तमान में इस तरह की ओटी बनाई जाए तो 1.25 करोड़ रुपये लागत आएगी। अस्पताल के मुख्य भवन में वार्ड पांच के पास सन 2009-10 में 15 बाई 15 के कमरे में मॉड्यूलर ओटी बनवाई गई थी।

एनआरएचएम के बजट से करीब 82 लाख रुपये की लागत आई थी। उसी समय एनआरएचएम घोटाले का मामला उजागर हुआ तो इसकी आंच ओटी तक पहुंच गई। ओटी बनाने में घोटाले की अफवाह भी उड़ी। इसके बाद से इसका संचालन शुरू नहीं हो सका जब स्थितियां कुछ ठीक हुई तो ओटी में लगी कुछ मशीनों में खराबी आ गई। इन मशीनों का एनुअल मेंटीनेंस कॉन्ट्रैक्ट (एएमसी) कराया ही नहीं गया था, जिसके चलते मशीनों की मरम्मत नहीं हुई और ओटी की स्थिति खराब होती गई।

ओटी में कबूतरों और चूहों का कब्जा : आरोप है कि उसी समय जब इसके लिए उपकरणों की खरीद फरोख्त हुई थी, तो उसमें भी काफी धांधली की गई थी। दो लाख का अगर एक उपकरण है तो उसे चार लाख का बताया गया। उपकरणों का मेंटीनेंस न होने व तारों की खराबी के चलते वह शुरू नहीं हो सकी। ओटी में कबूतरों और चूहों का कब्जा हो गया। अब इंजीनियर ने भी मना कर दिया। उनका कहना है कि अब इसका संचालन नहीं हो सकता है।

एसी के लिए लगने वाला सिस्टम बर्बाद : अब इंजीनियरों की रिपोर्ट के अनुसार, उर्सला अस्पताल की इस ओटी की स्थिति इतनी खराब है कि सर्जरी किया जाना संभव नहीं है। एसी के लिए लगने वाला सिस्टम बर्बाद हो गया है। निदेशक डॉ. एचडी अग्रवाल ने बताया कि वर्तमान में अस्पताल में चार ओटी संचालित हैं जिसमें हड्डी, नाक-कान-गला, नेत्र और सामान्य मिलाकर औसत 30 सर्जरी रोजाना हो रही हैं। अगर मॉड्यूलर ओटी शुरू हो जाती, तो सर्जरी की संख्या बढ़ने के साथ ही रोगियों में संक्रमण की आशंका भी न के बराबर होती।

लैप्रोस्कोपिक व इंडोस्कोपी मशीनें दूसरे कमरे में रख दी गई : मॉड्यूलर ओटी में ऑपरेशन टेबल, सर्जिकल लाइट, एनेस्थीसिया मशीन, मरीज मॉनिटर, उच्च दक्षता कणिकीय वायु (हेपा) फिल्टर, मेडिकल गैस पैनल जैसे कई महत्वपूर्ण उपकरण लगाए गए थे। इस ओटी में इंटरकॉम की व्यवस्था भी थी जिससे ओटी के अंदर वाले लोगों को अगर बाहर से कुछ मंगाना हो तो वह फोन कर भी मंगा सकते थे। हेपा फिल्टर भी लगा था जो छोटे से छोटे बैक्टीरिया को अपने में चिपका लेता और रोगी को संक्रमण से बचा सकता है।

घर के पास भूसे के ढेर में मिली बालिका की लाश, शरीर पर नहीं थे कपड़े; पास में मिले बिस्कुट-गुटखा के पैकेट

चंदौली , एजेंसी। अलीनगर थाना क्षेत्र के एक गांव में छह वर्षीया बालिका का शव मंगलवार की भोर में घर से कुछ दूरी पर भूसे के ढेर में मिला। पास में ही लड़की के कपड़े, बिस्कुट और गुटका के पाउच पड़े थे। इससे बालिका से दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मजदूरी कर परिवार का पेट पालने वाले मजदूर की सबसे छोटी बेटी सोमवार की शाम घर के बाहर खेल रही थी। देर रात तक वह वापस नहीं लौटी तो परिवार वालों को चिंता हुई। रात नौ बजे से बालिका की तलाश शुरू की। पूरे गांव में ढूंढने पर भी वह नहीं मिली। परिजन पुलिस के पास जाने की तैयारी करने लगे।

इसी बीच, भोर में घर से पचास मीटर दूर भूसा रखने के लिए बने छावनी के पास गए तो मासूम के कपड़े दरवाजा पर देख कर शक हुआ। जब वे अंदर गए तो बिस्कुट के पैकेट और गुटका का पाउच मिला। शक होने पर भूसे को हटाया तो उसमें बालिका नग्न अवस्था में मृत पड़ी मिली।

पुलिस ने की कार्रवाई

ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। बालिका की हत्या की सूचना पर अलीनगर थानाध्यक्ष अनिल कुमार पांडेय और पीडीडीयू नगर के सीओ कृष्ण मुरारी शर्मा आदि पहुंच गए। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंच कर साक्ष्य जुटाए। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर आगे की कार्रवाई में पुलिस जुटी रही।

इस संबंध में सीओ कृष्ण मुरारी शर्मा ने बताया कि बालिका का शव मिला है। उसको पोस्टमार्टम के लिए भेज कर कार्रवाई की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पटा चलेगा कि बालिका से दुष्कर्म भी हुआ है या नहीं। वहीं, बालिका की मौत के बाद परिजनों का रो-रो कर हाल बेहाल है।

बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन की नई व्यवस्था नहीं हुई लागू, इसलिए भीड़ से बिगड़ रहे हालात

मथुरा , एजेंसी। वृंदावन के श्री बांकेबिहारी मंदिर में इन दिनों अव्यवस्थाएं देखने को मिल रही हैं। भीड़ से न गलियों में चैन मिल रहा है और न ही मंदिर में। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित श्री बांकेबिहारी मंदिर प्रबंधन हाईपावर्ड कमेटी ने मंदिर की व्यवस्थाओं को लेकर कई आदेश दिए, लेकिन आदेशों के पालन के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की गई। आदेशों के पालन की चिंता न तो स्थानीय प्रशासन को है और न ही सेवायतों को।

श्री बांकेबिहारी मंदिर हाईपावर्ड कमेटी के गठन के बाद कई बैठकों का दौर चला। हर बैठक में पुराने नियमों पर चर्चाएं हुई तो नए नियमों को लागू किया गया। आदेश जारी किया गया, लेकिन आदेश मंदिर पहुंचते ही दम तोड़ गए। वीआईपी पर्ची सिस्टम चूंकि सबको दिखाई देता है, इसलिए इसे तत्काल बंद कर दिया गया। जबकि मंदिर के समय में जो परिवर्तन किया गया, वह आज तक लागू नहीं हो सका। मंदिर में रैलिंग लगाने की बात की जाए तो पिछली मीटिंग में इसके लिए आदेश दिए गए, लेकिन छह लाइन की रैलिंग की व्यवस्था भी नहीं हो पाई है।

यहां तक राजस्थान सिक्योरिटी एजेंसी को लेकर कहा गया कि इस एजेंसी की जगह रिटायर्ड सैनिकों की एजेंसी को लगाया जाए, लेकिन आज तक इस दिशा में भी कोई काम नहीं हो पाया है। अब तो सेवायत ही खुद सवाल उठा रहे हैं कि अगर आदेशों का पालन ही नहीं होना है तो कमेटी नए आदेश क्यों दे रही है।

कमेटी के पदाधिकारी अपने ही आदेशों का पालन कराने में पीछे क्यों हैं। भीड़ में फंसे लोगों से इस बारे में बात की गई तो गाजियाबाद से आए वरुण ने कहा कि मंदिर में भीड़ लगातार बढ़ती ही जा रही है। नई कमेटी के बारे में सुना था, लग रहा था कि व्यवस्थाएं बेहतर होंगी, लेकिन यहां आए तो कुछ नहीं दिखा।

दुल्हन बनने से 23 दिन पहले...सिरफिरे आशिक ने की ऐसी हरकत, टूट गई शादी; थाने पहुंची पीड़िता रो पड़ी

आगरा , एजेंसी। शिकोहाबाद के एक निजी विश्वविद्यालय की एमए की छात्रा की शादी को एक सिरफिरे आशिक ने तय होने से पहले ही तुड़वा दिया। सिरफिरे ने युवक को धमकी दे डाली कि अगर बरात लेकर आया तो गोली मार दूंगा। आरोपी के खिलाफ युवती की तहरीर पर थाना रामगढ़ में केस दर्ज हुआ है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

रामगढ़ थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले में रहने वाली छात्रा ने आरोप लगाया है कि आरोपी विजय उर्फ कार्तिक निवासी ग्राम कोडर, थाना फरिहा उसे कॉलेज आते-जाते परेशान करता था, जबरदस्ती शादी का प्रस्ताव रखता था, मना करने पर जान से मारने की धमकी देता था, और उसके साथ अश्लील हरकत भी की थी। विरोध करने पर भाई को जान से मारने की धमकी दी थी।

इसकी शिकायत उसके परिजन से भी की थी। मगर, उन्होंने भी कोई कार्रवाई नहीं की। युवती ने बताया कि उसकी शादी 15 नवंबर 2025 को खैरगढ़ के युवक से से तय होने की जानकारी मिलते ही आरोपी विजय 23 अक्तूबर को करीब 10 लोगों के साथ युवक (जिससे रिश्ता तय हुआ था) के घर पहुंचा। वहां उसने युवक के घरवालों को गालियां देते हुए धमकी दी कि अगर युवती उसकी नहीं हुई, तो किसी की नहीं होगी, और शादी वाले दिन ही सबको जान से मार दूंगा। थाना रामगढ़ इंस्पेक्टर संजीव दुबे ने बताया कि मामले में तहरीर के आधार पर आरोपी विजय उर्फ कार्तिक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

कुसियापुर गांव में फिर आई आफत, दिवाली से पहले 12 मौतें...अब घर की दीवार गिरी; एक व्यक्ति की मौत

आगरा , एजेंसी। आगरा के खेरागढ़ थाना क्षेत्र के गांव कुसियापुर में फिर बड़ा हादसा हो गया। एक घर की दीवार गिर गई। दीवार के मलबे में दबकर घर के अंदर सो रहे व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। शव को मलबे से निकालने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

गांव कुसियापुर में मंगलवार सुबह तड़के एक मकान की छत की पटिया टूटने से छत गिर पड़ी। हादसे में कमरे में सो रहे युवक की मलबे में दबकर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मुन्ना लाल 50 पुत्र राम शरण राजपूत अपने घर के कमरे में सो रहे थे। तभी करीब सुबह 5 बजे छत की गार्डर,पटिया अचानक टूट कर उनके ऊपर गिर पड़ी।

छत गिरने की तेज आवाज होने से परिजन दौड़ कर कमरे में पहुंचे और मलबे में दबे घायल मुन्ना लाल को निकाल कर सीएचसी खेरागढ़ ले गए जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।सूचना पर नायब तहसीलदार अभिषेक कुमार, थाना प्रभारी मदन सिंह भी पुलिसफोर्स के सहित मौके पर पहुंच गए।पुलिस ने विधिक कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है।

सीलन से गार्डर में जंग लगने से कमजोर होकर टूटी गार्डर,पटिया

ग्रामीणों ने बताया कि सोमवार से हो रही वर्षा से छत में सीलन हो गई वहीं गार्डर भी जंग लगने कमजोर हो गया था। और जर्जर गार्डर,पटिया चटक कर टूट गई।

बतादें कि कुछ दिन पूर्व ही मूर्ति विसर्जन के दौरान कुसियापुर के 12 नवयुवकों की नदी के पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। गांव के लोग अभी बड़े हाड़ी के गम से उबरे भी नहीं थे कि मंगलवार सुबह हुए दर्दनाक हादसे में एक और मौत से गांव में मातम छा गया है।वहीं परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। शव को मलबे से निकालने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

पीडब्लूडी गेस्ट हॉउस में भाजपा कार्यकर्ताओ की बैठक आयोजित

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷

।सरदार बल्लभ भाई पटेल का इतिहास भारत के स्वतंत्रता संग्राम के एक महत्त्वपूर्ण नेता, एक कुशल अधिवक्ता ओर स्वतंत्र भारत के उपप्रधानमंत्री के रूप में है।, जिन्होंने भारत के एकीकरण में महात्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यह बात गत दिवस स्थानीय लोकनिर्माण विभाग के गेस्ट हॉउस में भारतीय जनता पार्टी की विधानसभा बैठक में सहकारिता प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय संयोजक डॉ बीरबल ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार रखते हुए कहे।

उन्होंने आगे बोलते हुए कहा कि स्वतंत्र भारत को एक माला में पिरोने वाले सरदार पटेल को कांग्रेस ने हासिये पर रखा। सरदार पटेल जिस सम्मान के हकदार थे कांग्रेस ने वह सम्मान उन्हें कभी नहीं दिया।

क्षेत्रीय मंत्री अनूप वाल्मीकि कहा कि देश की आजादी के बाद सरदार पटेल ने 562 रियासतों का भारत संघ में सफलतापूर्वक विलय कराया। जिससे उन्हें लोह पुरुष कहा जाता है।उन्होंने आगे कहा कि एक अभियान के अंतर्गत 31 अक्टूबर सरदार पटेल की 150वीं जयंती से देश भर में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।

सरदार पटेल जी के विचार ओर उनके जीवन की जानकारी जन -जन तक पहुँचे इसके लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इस अभियान के विधानसभा संयोजक व जिला उपाध्यक्ष प्रमोद चौहान ने बताया कि सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में रंगोली, चित्रकला, निबंध व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा।

इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से सरदार पटेल के विचार व उनके जीवन की जानकारी लोगो तक पहुंचेगी। जनभागीदारी के लिए विधानसभा में 8 किलोमीटर की एक पदयात्रा का आयोजन किया जायेगा। जिसका उद्देश्य लोगो को संगठित करना होगा। बैठक अध्यक्षता विधानसभा संयोजक रजनी कालरा व संचालन इस अभियान के संयोजक व जिला उपाध्यक्ष प्रमोद चौहान ने किया।

बैठक में पूर्व विधायक सतीश गौतम,पूर्व जिला उपाध्यक्ष रामेन्द्र चौधरी, कृष्णबलदेव सिंह,मण्डल अध्यक्ष अंजली मित्तल, सुभाष शर्मा, जितेंद्र मालिक, पूर्व मण्डल अध्यक्ष नीरज विश्नोई, भूरे सिंह, शिवपाल सिंह, कुलदीप त्यागी, मनोज बालियान अल्पसंख्यक मोर्चे के जिला महामंत्री कयूम राइन, पिछड़ा मोर्चे के जिला उपाध्यक्ष यशपाल सैनी, जिला महामंत्री धर्मवीर कश्यप, व्यापार प्रकोष्ठ के जिला सह संयोजक सौरभ मित्तल, विधानसभा सोशल मिडिया प्रभारी अनुज अग्रवाल, मण्डल महामंत्री पंडित सचिन शर्मा, ओमप्रकाश सैनी, मेघराज सिंह, देवेंद्र तोमर व टीकम सिंह, जीतेन्द्र राजपूत, विकास राजपूत, इंदु ठकुराल, अरुण शर्मा, गर्वित चौधरी,अनुज वर्मा, पंकज चौहान, हरिराज सिंह, सरदार हरमीत सिंह, आदि राठौर,नरपाल सैनी, अनित चौधरी, विक्रांत चौधरी, रविन्द्र सिंह, सोनू सैनी, मोईनुद्दीन आदि उपस्थित रहे।

इकोस्टैन इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड नोएडा करेगी कचरे का निस्तारण

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷

महापौर प्रशांत सिंघल व नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा के निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप शहर में रोजाना निकलने वाले कचरे के वैज्ञानिक ढंग से निश्तारण और अलीगढ़ के मथुरा बाईपास स्थित ए-टू-ज़ेड वेस्ट प्लांट में लगे कचरे के पहाड़(लिगेसी वेस्ट) को वैज्ञानिक ढंग से निश्तारित कराए जाने का राश्ता साफ हो गया है।

महापौर और नगर आयुक्त ने दीपावली से पहले शहर वासियों से वादा किया था कि शहर की स्वच्छता में बड़ा बदलाव लाने का निरंतर प्रयास किया जाएगा शहर के कचरे का वैज्ञानिक तरीके से जल्द निश्तारण किया जायेगा।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि नगर निगम द्वारा शहर में ठोस अपशिष्ट (डैं) के वैज्ञानिक निश्तारण एवं प्रोसेसिंग को लेकर एक बड़ा कदम उठाया गया है।

अनुमति बिना ड्रोन उड़ाने पर निगम ने करायी FIR

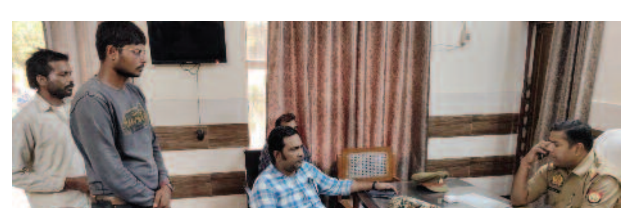

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷

नगरीय सीमा में बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने एवं सरकारी संपत्ति की वीडियोग्राफी करने के प्रकरण में नगर आयुक्त ने कठोर कदम उठाते हुए एफआईआर दर्ज करा दी है।

नगर निगम की कार्रवाई पर थाना सासनी गेट पुलिस द्वारा भी तत्परता से कार्रवाई की गई है। मिली सूचना के अनुसार नगर निगम के एटूजेड प्लांट परिसर में कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा ड्रोन उड़ाकर वीडियोग्राफी की जा रही थी मौके पर मौजूद अधिकारी द्वारा बार-बार मना करने के बावजूद भी संबंधित व्यक्ति ड्रोन संचालन उड़ाते रहे पूछताछ के दौरान अपना नाम रहबर हुसैन एवं बालक राम बताने वाले व्यक्तियों से जब अनुमति पत्र मांगा गया तो वे कोई वैध दश्तावेज प्रश्तुत नहीं कर सके।<

नगर निगम द्वारा इस संबंध में थाना सासनी गेट में रिपोर्ट दर्ज कराई गई, जिसके आधार पर पुलिस ने मामला पंजीकृत कर जांच उपनिरीक्षक अजीत कुमार को सौंपी है। प्रारंभिक जांच में आरोप प्रथम दृष्टया सत्य पाए गए हैं। प्रकरण में भारतीय दंड संहिता की धारा 132/352 के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई प्रारंभ की गई है।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कहा कि बिना अनुमति सरकारी परिसरों पर ड्रोन उड़ाना गंभीर अपराध है।

इंडिया-ऑस्ट्रेलियाः वरुण-रेड्डी आउट, कुलदीप-हर्षित इन

पहले टी20 में ये हो सकती है भारत की प्लेइंग 11

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज का आगाज 29 अक्तूबर से होने जा रहा है. अगले साल होने वाले टी20 विश्वकप की तैयारियों के लिहाज से ये सीरीज काफी अहम मानी जा रही है. पहला मुकाबला कैनबरा में खेला जाना है. इस मुकाबले में प्लेइंग इलेवन को लेकर काफी माथापच्ची देखने को मिल सकती है. भारत ने अपना पिछ्ला टी20 मुकाबला एशिया कप 2025 फाइनल में खेला था. जहां भारत केवल एक मुख्य तेज गेंदबाज के साथ खेला था. लेकिन यह स्थिति मनुका ओवल (कैनबरा) में होने वाले पहले टी20 मैच में निश्चित रूप से बदलेगी. एक बदलाव तो तय है क्योंकि हार्दिक पंड्या चयन के लिए फिट नहीं हैं. उनका बैकअप नीतीश कुमार रेड्डी भी चोटिल हैं, इसलिए उनकी उपलब्धता पर भी संदेह है. कैनबरा के मनुका ओवल की पिच बल्लेबाज़ों के लिए अनुकूल मानी जाती है, जिसमें समान उछाल और गति होती है. इसलिए इस बार टीम को तेज़ गेंदबाज़ों पर अधिक भरोसा करना पड़ेगा. एशिया कप में भारत ने तीन स्पिनरों कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती के साथ खेला था. दरअसल, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह तो तय हैं. दोनों भारत के शीर्ष टी20 गेंदबाज़ हैं. अर्शदीप ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गए 2022 टी20 वर्ल्ड कप में सबसे अधिक विकेट लिए थे. ऐसी परिस्थितियों में तेज़ गेंदबाज़ों को बढ़त मिलेगी. पिच को देखते हुए, शुभमन गिल और गौतम गंभीर एक अतिरिक्त तेज़ गेंदबाज़ को शामिल करना चाहेंगे. एकमात्र विकल्प हर्षित राणा हैं, जिन्होंने हालिया वनडे सीरीज़ में सर्वाधिक विकेट लिए और बल्ले से भी योगदान दिया. इसका मतलब है कि हर्षित की अहमियत बढ़ गई है.

कुलदीप या अक्षर किसे मिलेगा मौका

ग्राउंड की सीमाएं स्पिनरों के पक्ष में हैं, लेकिन सतह उनके अनुकूल नहीं होगी. यही वजह है कि अक्षर पटेल को कुलदीप और वरुण पर बढ़त मिलती है. अक्षर ऑलराउंडर हैं और मिडल ऑर्डर में रन बनाने की क्षमता रखते हैं. इस तरह दूसरे स्पिनर की जगह को लेकर असली टक्कर कुलदीप बनाम वरुण के बीच है. लेकिन इसमें हर्षित राणा का नाम भी जुड़ गया है.

भारत बनाम ऑस्ट्रेलियाः

5 बल्लेबाज, जिनके नाम टी20 मुकाबलों में सर्वाधिक रन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-ऑस्ट्रेलिया की टीमें साल 2007 से 2024 के बीच अब तक 32 टी20 मैच खेल चुकी हैं। इस दौरान सिर्फ 3 ही बल्लेबाज 500 रन का आंकड़ा छू सके हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 मुकाबलों में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की इस लिस्ट में शीर्ष पर भले ही विराट कोहली मौजूद हैं, लेकिन टॉप-5 खिलाड़ियों की सूची में सिर्फ दो ही क्रिकेटर भारतीय हैं। आइए, इन सभी खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं।

विराट कोहली : रन-मशीन कोहली ने साल 2012 से 2024 के बीच 23 टी20 मुकाबलों में 49.62 की औसत के साथ 794 रन बनाए हैं। इस दौरान कोहली के बल्ले से 8 अर्धशतक निकले।

ग्लेन मैक्सवेल : ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने साल 2012 से 2024 के बीच भारत के विरुद्ध 22 टी20 मैच खेले, जिसकी 21 पारियों में 31.88 की औसत के साथ 574 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 2 शतक और इतने ही अर्धशतक निकले।

आरोन फिंच : इस ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने साल 2012 से 2022 के बीच भारत के खिलाफ 18 टी20 मैच खेले, जिसमें 27.77 की औसत के साथ 500 रन जुटाए। इस दौरान उनके बल्ले से 11 छक्के और 62 चौके देखने को मिले। फिंच ने टीम इंडिया के विरुद्ध 2 अर्धशतकीय पारियां खेली हैं।

मैथ्यू वेड : ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने भारत के विरुद्ध कुल 17 टी20 मैच खेले, जिसमें 3 अर्धशतक के साथ 488 रन बनाए। टीम इंडिया के खिलाफ 43 चौके और 20 छक्के लगाने वाले वेड का औसत 54.22 रहा है।

रोहित शर्मा : भारत को अपनी कप्तानी में टी20 विश्व कप खिताब जिताने वाले रोहित शर्मा ने साल 2007 से 2024 के बीच 28.47 की औसत के साथ 484 रन बनाए। इस दौरान रोहित ने 4 बार अर्धशतकीय पारियां खेलीं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया की टीमें 29 अक्टूबर से 8 नवंबर के बीच पांच टी20 मुकाबलों की सीरीज खेलेंगी।

दोनों देशों के बीच कैनबरा में सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा, जिसके बाद मेलबर्न, होबार्ट, गोल्ड कोस्ट और ब्रिस्बेन में सीरीज के शेष मुकाबलों का आयोजन होगा।

महिला विश्व कपः

स्मृति मंधाना के साथ ओपनिंग करेंगी शैफाली वर्मा?

● ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्लेइंग 11 में 2 बदलाव कर सकता है भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला वर्ल्ड कप 2025 के दूसरे सेमीफाइनल में 30 अक्टूबर को भारत का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा। लीग स्टेज में भारतीय टीम 3 मैच हारकर अंक तालिका में चौथे नंबर पर रही। वहीं ऑस्ट्रेलिया की टीम एक भी मैच नहीं हारी। भारत की दिक्कतें खिलाड़ियों के चोटिल होने से और बढ़ गई है। बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी लीग मैच में ओपनर प्रतिका रावल चोटिल होकर टूर्नामेंट में बाहर हो गईं। शैफाली वर्मा को उनकी जगह टीम में शामिल किया गया। विकेटकीपर ऋचा घोष भी चोट के कारण बांग्लादेश के खिलाफ मैच में नहीं खेली थीं। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में विकेटकीपिंग के दौरान बाएं हाथ की उंगली में चोट लगी थी। उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था और उमा छेत्री ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली थी। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में उमा को डेब्यू का मौका मिला था। अगर ऋचा चोट से उबर जाती हैं तो भारत प्लेइंग 11 में दो बदलाव कर सकता है।

शैफाली की राह आसान नहीं

भारत की प्लेइंग 11 में प्रतिका रावल की जगह शैफाली वर्मा और उमा छेत्री की जगह ऋचा घोष को मौका मिल सकता है। इसके अलावा बदलाव के कोई और आसार नहीं दिख रहे हैं। प्रतिका का बाहर होना भारत के लिए बड़ा झटका है। वह टूर्नामेंट में स्मृति मंधाना के बाद दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। शैफाली बेखौफ बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं, लेकिन वह एक साल बाद भारत के लिए वनडे खेलती दिखेंगी।

वर्ल्ड चैम्पियनशिपः भारतीय पहलवान सुजीत कलकल ने जीता स्वर्ण पदक, उज्बेकिस्तान के जालोलोव को हराया

नोवी साद, एजेंसी। भारतीय पहलवान सुजीत कलकल ने अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में पुरुषों की फ्री स्टाइल 65 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। सुजीत ने खिताबी मुकाबले में उज्बेकिस्तान के उमिदजोन जालोलोव को एकतरफा अंदाज में 10-0 से हराया। दोनों पहलवानों के बीच यह मुकाबला चार मिनट 54 सेकेंड तक चला जिसके बाद रेफरी ने भारतीय पहलवान को विजेता घोषित किया। सुजीत ने इस तरह उज्बेकिस्तान के पहलवान पर तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत दर्ज की। इससे पहले सुजीत ने कभी विश्व खिताब नहीं जीता था, लेकिन उन्होंने 2022 और 2025 में अंडर-23 एशिया खिताब और 2022 में अंडर-20 एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। सुजीत ने पिछले साल इसी चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था, लेकिन इस बार वह पदक का रंग बदलने में सफल रहे।

फुटबॉलः

नेपाल ने भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम को 2-1 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। नेपाल की ओर से स्ट्राइकर सबित्रा भंडारी ने दूसरे और 63वें मिनट में दो गोल दागकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। भारत की ओर से एकमात्र गोल करिश्मा शिरवोइकर ने 81वें मिनट में करके हार के अंतर को कम किया। भारतीय सीनियर

महिला फुटबॉल टीम को सोमवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में तीन देशों के अंतरराष्ट्रीय मैत्री टूर्नामेंट के अपने दूसरे मैच में नेपाल के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। नेपाल की ओर से स्ट्राइकर सबित्रा भंडारी ने दूसरे और 63वें मिनट में दो गोल दागकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। भारत की ओर से एकमात्र गोल करिश्मा शिरवोइकर ने 81वें मिनट में करके हार के अंतर को कम किया।

करिश्मा का सीनियर राष्ट्रीय टीम की ओर से यह पहला गोल है। सबित्रा ने दूसरे ही मिनट में नेपाल को बढ़त दिला दी जब उन्होंने भारतीय गोलकीपर इलांगबाम पेनथोई चानू को छकाकर गोल किया। नेपाल ने पहले हाफ में इस बढ़त को बरकरार रखा और मध्यांतर तक टीम 1-0 से आगे थी। सबित्रा ने 61वें मिनट में एक और गोल दागकर नेपाल की बढ़त 2-0 की। करिश्मा ने फेनजोबाम निर्मला देवी की फ्री किक पर गोल दागकर भारत को वापसी दिलाने की कोशिश की लेकिन यह नाकाफी साबित हुआ।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर का सख्त संदेश

40 की उम्र में भी रोहित-विराट वर्ल्ड कप के लिए फिट

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने चयनकर्ताओं को बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों के चयन में उम्र को लेकर कोई बहाना नहीं बनाया जाना चाहिए। श्रीकांत का मानना है कि दोनों दिग्गज 2027 वनडे विश्व कप तक टीम इंडिया की रीढ़ बने रह सकते हैं। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, रोहित शर्मा को 2027 वर्ल्ड कप में जरूर खेलना चाहिए।

वह के करीब हैं या अब उम्र हो रही है, ऐसी बातें बंद होनी चाहिए। वह फिट हैं, बेहतरीन फॉर्म में हैं और फील्डिंग में भी शानदार हैं। सिडनी में उनकी बल्लेबाज़ी देखकर लगा जैसे 2019 वर्ल्ड कप की झलक दोबारा दिख रही हो। उन्होंने आगे कहा, विराट कोहली तो अपनी फिटनेस के दम पर 45 साल तक खेल सकते हैं। उनकी फिटनेस अब भी किसी 25 वर्षीय खिलाड़ी जैसी है। रोहित और विराट दोनों को डराने या असुरक्षित महसूस कराने के बजाय चयनकर्ताओं को उन्हें भरोसा देना चाहिए कि वे टीम के सबसे अहम खिलाड़ी हैं।

श्रीकांत

ने चयन समिति को सलाह देते हुए कहा, उन्हें कहना चाहिए – 'आप दोनों टीम के केंद्र हैं, बस फिट रहो और हमें 2027 वर्ल्ड कप जिताओ।' डर या दबाव डालने की जरूरत नहीं है। हाल ही में खत्म हुई ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में रोहित शर्मा ने तीन मैचों में 202 रन बनाए, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल रहा। उनकी 121* रनों की पारी भारत की 9 विकेट से जीत में निर्णायक साबित हुई थी। अब टीम इंडिया 30 नवंबर से शुरू होने वाली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू वनडे सीरीज में खेलेगी, जहां रोहित और विराट अपने फॉर्म को जारी रखने की कोशिश करेंगे।

यूरोपीय शतरंज क्लब कप में दिव्या और गुकेश नें जीते दोहेरे स्वर्ण पदक

रोड्ज , ग्रीस (एजेंसी)। में आयोजित 40वें यूरोपीय शतरंज क्लब कप 2025? में भारतीय खिलाड़ियों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ रिकॉर्ड कायम किया। सुपरचेस? (रोमानिया) क्लब ने ओपन वर्ग में 14 में से 14 अंकों के साथ खिताब पर कब्जा जमाया। इस टीम की जीत में विश्व चैंपियन डी. गुकेश का प्रदर्शन निर्णायक रहा, जिन्होंने पहले बोर्ड पर गोल्ड मेडल जीता। वहीं, नॉर्थ मैसेडोनिया की टीम अल्कालॉइड जिसमें भारत से अर्जुन एरीगैसी , अरविंद चितांबरम और अभिमन्यु पौराणिक थे ने 12 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया और डिफेंडिंग चैंपियन नोवी बोर (चेक गणराज्य) जिसमें भारत से विदित गुजराती और पेंटला हरीकृष्णा थे ने उतने ही अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में सर्कल डी शे मोंटे कार्लो ? ने 13 में से 13 अंक अर्जित कर खिताब जीत लिया। भारत की ग्रांड मास्टर दिव्या देशमुख, जिन्होंने हाल ही में महिला विश्व कप 2025? जीता था, इस क्लब के लिए खेलते हुए अपने बोर्ड पर व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने में सफल रहीं। मौजूदा चैंपियन ताइफुन एसके ल्युब्लियाना तीसरे स्थान पर रही, जबकि सर्बिया की सर्मियम स्रेम्स्का मित्रोविका ने दूसरा स्थान हासिल किया। ओपन वर्ग में भारत के चार खिलाड़ियों ने अपने बोर्ड पर गोल्ड मेडल जीते - विश्व चैंपियन डी. गुकेश (सुपरचेस), निहाल सारिन (बेयगन पेंडिक), अभिमन्यु पुराणिक (अल्कालॉइड) और दिव्या देशमुख (मोंटे-कार्लो)। वहीं, अरविंद चितांबरम को अपने बोर्ड पर कांस्य पदक मिला। इस बार का आयोजन भारतीय खिलाड़ियों के लिए सबसे सफल साबित हुआ। पहली बार, ओपन और महिला दोनों वर्गों की विजेता टीमों में भारतीय ग्रैंडमास्टर शामिल रहे। ओपन वर्ग की शीर्ष तीनों टीमों में भी कम से कम एक भारतीय खिलाड़ी खेला। कुल सात राउंड के इस स्विस सिस्टम टूर्नामेंट में यूरोप की 100 से अधिक शीर्ष टीमें और लगभग 800 खिलाड़ी शामिल हुए।

रंजी ट्रॉफी 2025

उमरान मलिक को भूल जाइए! अब आ गया जम्मू का नया तूफान

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी में जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी ने राजस्थान के खिलाफ 10 विकेट लेकर सबको चौंका दिया. उमरान मलिक के बाद अब वही बन गए हैं टीम के नए स्पीड स्टार. जम्मू-कश्मीर की टीम ने रणजी ट्रॉफी 2025 के दूसरे राउंड में राजस्थान को एक पारी और 141 रन से करारी शिकस्त दी है. श्रीनगर के मैदान पर खेला गया यह मुकाबला पूरी तरह से एक खिलाड़ी के नाम रहा, तेज गेंदबाज आकिब. उन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए पूरे मैच में 10 विकेट झटके और राजस्थान के बल्लेबाजों को पूरी तरह बैकफुट पर ला दिया.

10 विकेट लेकर आकिब नबी ने मचाई सनसनी

आकिब नबी ने अकेले पलट दिया मैचः पहली पारी में आकिब ने तीन विकेट लेकर राजस्थान को बड़ा स्कोर बनाने से रोका. उसके बाद दूसरी पारी में तो उन्होंने कहर ही बरपा दिया. उन्होंने 7 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा और राजस्थान की पूरी टीम सिर्फ 89 रन पर ढेर हो गई. अपनी घातक गेंदबाजी के दम पर आकिब नबी ने प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी अपने नाम किया.

उमरान मलिक नहीं, अब आकिब नबी की चर्चाः कुछ साल पहले जब भी जम्मू-कश्मीर की क्रिकेट की बात होती थी, तो सबसे पहले उमरान मलिक का नाम याद आता था. उमरान भारत के सबसे तेज गेंदबाजों में से एक थे, लेकिन हाल के महीनों में उमरान मलिक की लय गुम हो गई है. वे राजस्थान के खिलाफ इस मैच में भी खेले, लेकिन एक भी विकेट नहीं ले पाए. वहीं, दूसरी ओर आकिब नबी ने अपने प्रदर्शन से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. अब पूरा क्रिकेट जगत जम्मू-कश्मीर के इस नए ÷स्पीड स्टार की तारीफ कर रहा है.

कौन हैं आकिब नबी?: 28 साल के आकिब नबी जम्मू-कश्मीर के बारामुल्ला जिले से आते हैं.

उनके पिता एक स्कूल टीचर हैं. अकीब पढ़ाई के मामले में भी काफी अच्छे हैं. एक टैलेंट हंट के दौरान उनकी प्रतिभा को पहचाना गया और उसके बाद उन्होंने क्रिकेट को गंभीरता से लेना शुरू किया. दिलचस्प बात यह है कि बारामुल्ला में उस वक्त कोई औपचारिक कोचिंग सुविधा नहीं थी, इसलिए आकिब ने खुद को बेहतर बनाने के लिए डेल स्टेन के वीडियो देखकर सीखना शुरू किया. वे स्टेन को अपना वर्चुअल कोच मानते हैं.

करियर और उपलब्धियांः अब तक आकिब नबी 33 प्रथम श्रेणी, 29 लिस्ट ए, और 27 टी20 मैच खेल चुके हैं. उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 113 विकेट, लिस्ट ए में 42 विकेट, और टी20 में 28 विकेट अपने नाम किए हैं.